UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

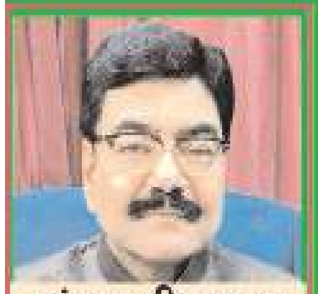
संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक
यंग भारत
निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर
Digital Edition

यंग भारत
वेब न्यूज़
सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-206 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) गुरुवार 09 जुलाई 2026 youngbharatE-paper.com

384 करोड़ की योजनाओं की सौगात के साथ सीएम योगी का विपक्ष पर करारा प्रहार

कहा- हिंदू धर्म को बदनाम करने की रच रहे साजिश

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

प्रतापगढ़: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को प्रतापगढ़ पहुंचे, जहां उन्होंने जीआईसी ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम से सदर और विश्वनाथगंज विधानसभा क्षेत्रों के लिए 384 करोड़ रुपये की 111 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया. इसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम ने राज्य सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी. साथ ही, उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला.

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पूर्व की सरकारों के कार्यकाल में प्रदेश लूट और भ्रष्टाचार की चपेट में था, जबकि वर्तमान सरकार विकास, सुशासन और मजबूत कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता दे रही है.

वहीं, राम मंदिर में हुई चोरी की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष इस मामले को लेकर हिंदू धर्म को बदनाम करने की साजिश कर रहा है, जबकि घटना की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है. जांच निष्पक्ष होगी और दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा. सीएम ने साफ कहा कि इस मामले में दोषी चाहे कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा. कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार विकास और सुशासन के माध्यम से उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है. वहीं, मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में हुई पुलिस की 60 हजार भर्तियों में प्रतापगढ़ के युवाओं को भी अवसर मिला है. उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की परीक्षाओं में भी यहां के युवा सफलता प्राप्त कर रहे हैं. सीएम ने आरोप लगाया कि पहले सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता नहीं थी और योग्य युवाओं को अवसरों से वंचित होना पड़ता था, जबकि वर्तमान सरकार में भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है, जिससे प्रतिभाशाली युवाओं को निष्पक्ष अवसर मिल रहे हैं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की तरफ से सनातन धर्म पर प्रहार करने की कोशिश की जा रही है. सपा और कांग्रेस गिरगिट की तरह रंग बदल रहे हैं. एक समय ऐसा था जब रामभक्तों पर गोलियां चलाई जाती थीं और भगवान श्रीराम के अस्तित्व पर सवाल उठाए जाते थे. यहां तक की 'जय श्रीराम' का उद्घोष करने वालों पर पहले लाठी और गोली चलती थी, लेकिन अब देश की जनता ऐसे दौर में वापस नहीं जाना चाहती. सीएम योगी ने कहा कि आज की अयोध्या भगवान श्रीराम के काल की अयोध्या का एहसास कराती है. महर्षि वाल्मीकि के नाम पर अयोध्या के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का नाम रखा गया है और इस प्रकार के निर्णय केवल भाजपा सरकार ही ले सकती है. पहले जहां 'वन जनपद, वन माफिया' जैसी स्थिति थी, वहीं उनकी सरकार ने 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट ' योजना के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को नई पहचान दिलाई. मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतापगढ़ का आंवला अब देश-दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रहा है. सीएम ने कहा कि 2017 से पहले शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि प्रतापगढ़ में मेडिकल कॉलेज बनेगा. आज जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित हो चुका है और यहां की बेटियों को नर्सिंग सहित चिकित्सा शिक्षा के बेहतर अवसर मिल रहे हैं. उन्होंने कहा कि करीब 9 साल पहले प्रतापगढ़ पिछड़े जिलों में गिना जाता था. खराब सड़कों, सीमित विकास और रोजगार के अवसरों की कमी के कारण लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था.

चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी का 'जाति डेटा मॉडल', हर सीट पर अलग रणनीति

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ: 2027 विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटी समाजवादी पार्टी विधानसभा क्षेत्रवार जातीय समीकरण साधेगी। इसके लिए पार्टी ने तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी ने अलग-अलग क्षेत्रों में जातिगत समीकरणों को समझने और मजबूत करने के उद्देश्य से एक विशेष टीम का गठन किया है।

यह टीम बूथ और सेक्टर स्तर तक जाकर विभिन्न समुदायों के आंकड़े जुटाने का काम करेगी, ताकि चुनावी मैदान में सटीक सामाजिक इंजिनियरिंग की रणनीति अपनाई जा सके। इसके लिए पार्टी ने हर क्षेत्र के पदाधिकारियों को जातिवार आंकड़े तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इन आंकड़ों की मदद से प्रत्याशी भी तय किए जाएंगे। अलग-अलग क्षेत्रों में जातीय समीकरण के हिसाब से प्रत्याशियों को भी तय किया जाएगा। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के मुताबिक, सोमवार को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ के सांसद, विधायक और पार्टी पदाधिकारियों की बैठक बुलाई थी, जिसमें इसके निर्देश दिए गए। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी की यह पहल केवल संगठनात्मक मजबूती तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध टिकट वितरण और चुनावी रणनीति से भी है। पार्टी नेतृत्व ने संभावित प्रत्याशियों को भी अपने-अपने क्षेत्रों में जातिगत आंकड़े एकत्र करने की जिम्मेदारी सौंपी है। इन आंकड़ों में प्रमुख रूप से क्षेत्रवार जातीय आबादी, पिछले चुनावों में मतदान का रुझान और स्थानीय प्रभावशाली बिरादरियों की भूमिका जैसे पहलुओं को शामिल करने के निर्देश दिए गए हैं। 2024 लोकसभा चुनावों के दौरान टिकट बंटवारे में पार्टी ने जातिवार आंकड़ें जुटाकर टिकट वितरण किया था, जिसका लाभ पार्टी को नतीजों में देखने को मिला था। पार्टी ने गैर-यादव ओबीसी जातियों (जैसे कुर्मी, राजभर, मौर्य) को उचित प्रतिनिधित्व दिया और अल्पसंख्यकों के साथ मिलकर एक मजबूत गठबंधन तैयार किया। सपा ने बसपा के पारंपरिक वोट बैंक में सेंधमारी करते हुए सामान्य सीटों पर दलित चेहरों को मैदान में उतारा। इसका सबसे बड़ा उदाहरण फैजाबाद (अयोध्या) सीट थी, जहां से दलित नेता अवधेश प्रसाद ने जीत दर्ज की। इसके अलावा मेरठ सीट पर भी सामान्य वर्ग से सुनीता वर्मा को टिकट दिया गया था। 2024 लोकसभा चुनावों की तरह ही पार्टी का फोकस पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) पर है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सपा की यह कवायद उन सामाजिक समूहों को साधने की कोशिश का हिस्सा है, जिनकी संख्या तो अधिक है लेकिन पिछले चुनावों में उनका झुकाव अन्य दलों की ओर रहा है। विशेष रूप से पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), दलित उपजातियों और मुस्लिम समुदाय के वोट बैंक को एकजुट करने पर पार्टी फोकस कर रही है। इन समूहो को लक्षित करने के पीछे स्पष्ट चुनावी गणित है, क्योंकि कई सीटो पर जीत-हार का अंतर इन्ही वर्गों के मतदान से तय होता है। इस पूरी कवायद के पीछे पार्टी की खास रणनीति है कि हर विधानसभा सीट पर विनिंग सोशल कॉम्बिनेशन बनाया जाए, जिससे पार्टी को ज्यादा से ज्यादा वोट मिल सके। इसके अलावा पार्टी पिछले विधानसभा चुनावों और 2024 लोकसभा चुनावों में विधानसभावार मिले वोटों का भी अध्ययन कर रही है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक अभी से जातिवार डेटा जुटाकर पार्टी उम्मीदवारों के चयन में तेजी और सटीकता लाना चाहती है, ताकि अंतिम समय में स्थानीय समीकरणों के आधार पर प्रत्याशी तय किए जा सकें।

दान चोरी केस में मायावती ने चला अलग दांव, बोलीं- सपा, कांग्रेस और आप सबूत दिखाए वरना बंद करें ड्रामा

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ: अयोध्या के राम मंदिर में दान चोरी मामले पर बचे घमासान के बीच बीएसपी की अध्यक्ष और यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बड़े स्तर पर जांच की मांग उठाई है। मायावती ने सोशल मीडिया के जरिए कहा है

कि राम मंदिर और उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम मामले में मुख्य प्रबंधकों की भी सही से जांच होनी चाहिए। इसके अलावा मायावती एक बार फिर प्रदेश के विपक्षी दलों पर बरसी हैं। उन्होंने कहा कि राम मंदिर दान चोरी मामले में अगर सपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के पास सबूत हैं तो उन्हें सार्वजनिक करें, वरना ये सब राजनीति करना बंद करें। मायावती ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'यूपी के अयोध्या में श्री राम मंदिर के बाद अब उत्तराखंड में भी बद्रीनाथ धाम के चढ़ावे में चोरी और गबन आदि होने का मामला काफी सुर्खियों में है। इन दोनों विख्यात धार्मिक स्थलों में इनके ट्रस्ट से जुड़े मुख्य प्रबंधकों की भी सही से जांच होनी चाहिए। वरना फिर, आगे चलकर इनकी आड़ में इनके स्थान पर दूसरे बने मुख्य प्रबंधक भी इसका दुरुपयोग कर सकते हैं।' मायावती ने आगे कहा, 'ऐसी आम चर्चा है कि निचले स्तर पर जो भी गड़बड़ी हुई है, तो उसके लिए या तो मुख्य प्रबंधकों की मिलीभगत है या फिर उनकी लापरवाही की वजह से यह सब कुछ हुआ है। इसलिए, इस प्रकरण की अब सही से जांच होना बहुत जरूरी है और इस मामले में सरकार व एसआईटी को भी विशेष ध्यान देना है। वहीं, एक बार फिर प्रदेश के विपक्षी दलों को निशाने पर लेते हुए मायावती ने लिखा, 'इसके साथ ही सपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी आदि के जिन वरिष्ठ नेताओं द्वारा यहां श्री राम मंदिर चढ़ावे में काफी मोटी रकम की चोरी और गबन होने की बात कही जा रही है, तो उनसे भी इसके पुख्ता सबूत लेने चाहिए।

सीएम योगी की बड़ी सौगात; यूपी देश का पहला राज्य, जहां शिक्षकों को 1 करोड़ का टर्म इंश्योरेंस

(यंग भारत न्यूज)

वाराणसी: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी से प्रदेश के शिक्षकों-कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी है. मुख्यमंत्री योगी ने उन्होंने शिक्षकों-कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा का शुभारंभ किया. इसके साथ ही यूपी देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है, जहां शिक्षकों, शिक्षा मित्र और अनुदेशकों को 1 करोड़ रुपए का लाइफ टर्म इंश्योरेंस की सुविधा मिलेगी. इसका प्रीमियम राज्य सरकार जमा करेगी.

वाराणसी के बड़ा लालपुर स्थित पंडित दीनदयाल हस्तकला संकुल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे. कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया है. सीएम योगी ने 15 शिक्षकों को

प्रतीकात्मक कार्ड देकर इस सुविधा की शुरुआत पूरे प्रदेश के लिए की है. इस योजना का लाभ 12 लाख शिक्षकों-कर्मचारियों को मिलेगा. कार्यक्रम के दौरान ही मुख्यमंत्री प्रदेश के लगभग 1.10 करोड़ विद्यार्थियों के अभिभावकों के बैंक खातों में के माध्यम से वित्तीय सहायता हस्तांतरित की. इससे हर छात्र के अभिभावक के खाते में 1200 रुपए पहुंचेंगे. यह पैसे छोत्रों के यूनिफॉर्म, जूता, मोजा, स्वेटर, स्कूल बैग और स्टेशनरी खरीदने के लिए हैं. सीएम योगी बोले-वाराणसी से शुभारंभ बड़ी बात: वाराणसी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि काशी की की पवित्र धरती से योजना का शुभारंभ निश्चित तौर पर बहुत बड़ी बात है. प्रदेश के 404 स्थान पर तीन प्रकार की योजनाओं का जो लाभ है, उसे एक साथ पूर्ण किया जा रहा है. इसमें शिक्षक और शिक्षा परिवार से जुड़े हुए प्रत्येक व्यक्ति जो किसी न किसी रूप से शासन की योजना के साथ जुड़ रहा है. इन सभी योजनाओं के लिए माध्यमिक और बेसिक शिक्षा विभाग से जुड़े हुए आप सभी शिक्षामित्र, शिक्षकों और अनुदेशकों को रसोइयों को वार्डन को और उन सभी बच्चों को आज बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में जो पढ़ते हैं उन्हें यूनिफॉर्म, बैग किताबें स्वेटर जूते आदि के लिए पैसे भी दिए जा रहे हैं, उन्हें बधाई देता हूं. सीएम ने कहा कि आपने मांगा नहीं, लेकिन आपके स्वास्थ्य की चिंता हम सभी को है. इसलिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा 5 लाख रुपए तक की हमने आपके लिए जारी की है. 5 लाख तक की चिकित्सा सुविधा का लाभ आपको मिलेगा. इसमें चिकित्सा सुविधा से सिर्फ शिक्षक नहीं बल्कि शिक्षा से जुड़े बाकी लोग भी लाभान्वित होंगे. उन्होंने कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद में 1320 करोड़ रुपए की राशि उनके खाते उनके अभिभावक के खातों में स्कूल यूनिफॉर्म से लेकर अन्य चीजों के लिए उपलब्ध करवाई जा रही है. यह प्रति छात्र 1200 रुपए है. हमारा पहले इसमें 800 रुपए खर्च होता था, लेकिन इसको हमने बढ़कर 1200 रुपए प्रति छात्र कर दिया है. सीएम योगी बोले-अभिभावक भी ध्यान दें: हमारा दायित्व बनता है कि हमारा विद्यालय अच्छा लगे हमने 12 ऐसे शिक्षकों को सम्मानित किया, जिन्होंने विद्यालयों को बहुत स्वच्छ और बेहतर रखा है. विद्यालयों के आंतरिक अनुशासन को बनाए रखने के लिए बहुत जरूरी है कि छात्र यूनिफॉर्म में हों, पैरों में जूते हों, सर्दी के समय में स्वेटर पहनकर आएं. यह हमारी जिम्मेदारी है कि अभिभावकों के साथ बैठकर इन चीजों को स्पष्ट करें कि वह पूरे तैयारी के साथ अपने बच्चों को स्कूल भेजें.हमने कल देखा कि कुछ जगहों पर बारिश हुई तो वह बच्चे यूनिफॉर्म में हीं नहा रहे थे. हमारा दायित्व बनता है कि हम पहले से ही बच्चों और अभिभावकों को समझाएं यह ऐसा न हो. सही मार्ग दिखाना ही शिक्षक का उचित कार्य है. आपका कर्तव्य है. राष्ट्रीय दायित्व भी है।

देखना है उदारवादी डीएम भूमाफियाओं के जबड़े से कब मुक्त करायेंगे 150 करोड़ की नजूल भूमि माफिया के दांत तोड़कर

जालौन में 150 करोड़ की नजूल भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप, एसडीएम ने डीएम को भेजी कार्रवाई की संस्तुति

- माफियाओं, नेताओं और अधिकारी, कर्मचारियों के गठजोड़ से सामने आई है सरकारी भूमि हड़पने की आपराधिक योजना
- आईएएस रिंकू सिंह की 45 दिनों की जालौन तैनाती से खुला है यह भूमि घोटाला
- 10 हजार वर्गफीट में आठ फीट गहरी खुदाई और निर्माण का मामला
- नगर पालिका, राजस्व कर्मियों व राजनीतिक संरक्षण पर गंभीर सवाल

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जालौन कस्बे की अत्यंत मूल्यवान नजूल (शासकीय) भूमि पर कथित अवैध कब्जा, अनधिकृत खुदाई और निर्माण का मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक हलकों में हलचल मच गई है। गाटा संख्या 892/1 एवं 892/2 की करीब 100 से 150 करोड़ रुपये मूल्य की सरकारी भूमि पर निर्माण किए जाने के मामले में उप जिलाधिकारी ने जिलाधिकारी को विस्तृत जांच रिपोर्ट भेजकर कठोर प्रशासनिक और कानूनी कार्रवाई की संस्तुति की है। रिपोर्ट में संबंधित अधिकारियों, नगर पालिका कर्मियों और प्रभावशाली व्यक्तियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कराने के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) अथवा उच्चस्तरीय बहु-विभागीय समिति गठित करने की भी मांग की गई है। जांच रिपोर्ट के अनुसार संबंधित भूमि राजस्व अभिलेखों में नजूल भूमि के रूप में दर्ज है और उपलब्ध रिकॉर्ड में किसी भी व्यक्ति

के पक्ष में वैध स्वामित्व, फ्रीहोल्ड अथवा विधिसम्मत हस्तांतरण का प्रमाण नहीं मिला है। तहसील स्तर पर किए गए परीक्षण में प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि भूमि पर बिना वैधानिक अनुमति के निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

स्थलीय निरीक्षण में लगभग 10 हजार वर्गफीट क्षेत्र में करीब आठ फीट गहरी खुदाई मिलने का उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार खुदाई से आसपास की संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है तथा निकाली गई मिट्टी के अवैध निष्कासन और विक्रय की भी आशंका जताई गई है। प्रशासनिक रिपोर्ट में कहा गया है कि आपत्तियों के बावजूद निर्माण कार्य जारी रहने से सरकारी भूमि पर स्थायी अतिक्रमण का खतरा बढ़ गया है। जांच के दौरान विपक्षी पक्ष द्वारा वर्ष 1914 के कथित बैनामे, वर्ष 1951 के सीमित क्षेत्रफल के पट्टे और नगर पालिका से स्वीकृत नक्शे का हवाला दिया गया। हालांकि उप जिलाधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि ये दस्तावेज भूमि पर वैध स्वामित्व सिद्ध करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं और नगर पालिका से नक्शा स्वीकृत होना स्वामित्व का प्रमाण नहीं माना जा सकता। रिपोर्ट में नगर पालिका की भूमिका पर भी गंभीर प्रश्न उठाए गए हैं। आरोप है कि भूमि के नजूल होने के बावजूद नक्शा स्वीकृत किया गया तथा अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से निर्माण गतिविधियों को अप्रत्यक्ष संरक्षण मिला। साथ ही संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों और वर्तमान एवं पूर्व जनप्रतिनिधियों की भूमिका की अलग से जांच कराने की सिफारिश की गई है। प्रकरण में संबंधित क्षेत्रीय लेखपाल की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार पिछले करीब दो वर्षों में सरकारी भूमि पर हो रहे कथित अतिक्रमण और निर्माण की सूचना समय पर उच्चाधिकारियों को नहीं दी गई। शिकायतों के बाद प्रस्तुत रिपोर्ट में भी तथ्यों को लेकर गंभीर विसंगतियां पाए जाने की बात कही गई है। इसे कर्तव्य की उपेक्षा और संभावित मिलीभगत के दृष्टिकोण से जांच योग्य माना गया है। उप जिलाधिकारी की रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि मामले में कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों और राजनीतिक संरक्षण की आशंका प्रथम दृष्टया सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार जांच और प्रशासनिक कार्रवाई को प्रभावित करने के प्रयास तथा अधिकारियों पर दबाव बनाए जाने की शिकायतें भी सामने आई हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र जांच अभी शेष है। जांच रिपोर्ट में जिलाधिकारी से तत्काल निर्माण कार्य रुकवाने, स्थल की घेराबंदी कराने, अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई शुरू करने, संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराने तथा निर्माण में प्रयुक्त सामग्री और मशीनरी जब्त करने की संस्तुति की गई है। साथ ही नगर पालिका के अधिकारियों, कर्मचारियों और संबंधित राजस्व कर्मियों की जिम्मेदारी तय कर विभागीय एवं विधिक

- एसआईटी जांच, निर्माण रोकने और मुकदमा दर्ज करने की एसडीएम ने की है सिफारिश
- शासकीय भूमि बचाने के लिए कठोर कार्रवाई की मांग तेज

कार्रवाई की भी मांग की गई है। प्रकरण की संवेदनशीलता और संभावित राजकीय क्षति को देखते हुए एसआईटी अथवा मंडल स्तर से ऊपर की स्वतंत्र जांच कराने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई है। अब निगाहें जिलाधिकारी के अगले निर्णय पर टिकी हैं कि इस मामले में प्रशासन क्या कार्रवाई करता है। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो यह जनपद की सबसे बड़ी शासकीय भूमि अतिक्रमण की कार्रवाई में शामिल हो सकता है।

ग्राम गधेला स्थित गोशाला को गुजरात के कच्छ मॉडल के अनुरूप विकसित करने की योजना

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम गधेला स्थित गोशाला को गुजरात के कच्छ मॉडल के अनुरूप विकसित करने की योजना है। यदि यह मॉडल सफल रहता है तो इसे चरणबद्ध तरीके से ब्लॉक की अन्य गोशालाओं में भी लागू कराया जाएगा। यह बात नवागंतुक बीडीओ प्रशांत दुबे ने पत्रकारों से वार्ता के दौरान कही।

पत्रकारों से बातचीत में बीडीओ प्रशांत दुबे ने कहा कि कच्छ मॉडल की गोशालाएं केवल निराश्रित गोवंश के संरक्षण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी कार्य किया जाता है। वहां गोवंश के लिए स्वच्छ एवं हवादार शेड, पर्याप्त चारा और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था रहती है। पशुओं के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी, समय-समय पर पशु चिकित्सा सुविधाएं, गोबर एवं गोमूत्र का वैज्ञानिक उपयोग, जैविक खाद और अन्य उत्पादों का निर्माण और स्थानीय लोगों की सहभागिता इस मॉडल की प्रमुख विशेषताएं हैं। इससे गोशालाओं का बेहतर संचालन होने के साथ उनकी आय के स्रोत भी विकसित होते हैं। गधेला गांव की गोशाला में भी चरणबद्ध तरीके से इन व्यवस्थाओं को लागू करने का प्रयास किया जाएगा। गोवंश के लिए बेहतर देखभाल, साफ-सफाई, पौष्टिक चारे की उपलब्धता और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही गोबर से जैविक खाद तैयार करने और अन्य उपयोगी गतिविधियों को बढ़ावा देकर गोशाला को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम किया जाएगा। बीडीओ ने कहा कि विकास खंड क्षेत्र में चल रही सभी विकास योजनाओं की नियमित समीक्षा की जाएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, पंचायत विकास कार्य, पेयजल, सड़क, नाली और अन्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जहां भी अनियमितता मिलेगी, वहां नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य टीम भ्रमण दौरान मौजूद लोगों को संचारी रोग से बचने के लिए उपाय बताकर करें जागरूक-उप जिलाधिकारी

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 8 जुलाई । संचारी रोग नगर व क्षेत्र में न फैलने के उद्देश्य से उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता एवं डॉक्टर एवं कर्मचारी की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई।

बुधवार के दिन तहसील कैंपस कार्यालय में आयोजित बैठक पर उप जिलाधिकारी अमित शेखर ने मौजूद डॉक्टरों एवं स्वास्थ्य कर्मियों से कहा कि संचारी रोग से बचने के लिए टीम में भ्रमणशील रहे तथा मोहल्ले में बैठक कर इस रोग से बचने के लिए उपाय बताएं तथा मौजूद लोगों को जागरूक करें यह अभियान माह जुलाई तक चलेगा उन्होंने बताया जैसे घरों के पास नाली में पानी का भराव न हो तथा घर के आसपास भी जल का भराव नहीं होना चाहिए कूलर के पानी को दो-तीन दिन में साफ कर नया पानी भरे जिससे संचारी रोग से बचा जा सके मौजूद डॉक्टरों ने भी इस रोग से निपटने के लिए बिंदुवार प्रकाश डाला उन्होंने कहा इस अभियान में स्वाथकर्मी के अलावा आशा कर्मी को भी लगाकर घर के मुखिया को रोग से बचने के उपाय बता कर मौजूद लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए मौके में हरचरण पालिका इरफान मंसूरी कदौरा एवं बाबई चिकित्सालय महेवा आदि चिकित्सालय के डॉक्टर एवं कर्मचारी मौजूद थे।

किसानों ने कोतवाली में तहरीर देकर गूल खुलबाने की मांग की

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । किसान गूल के पानी से सब्जियां उगाकर अपना भरण पोषण कर रहे हैं। लेकिन गांव के ही एक व्यक्ति द्वारा गूल पर अतिक्रमण कर पक्का निर्माण कराया जा रहा है। जिससे गूल बंद हो रही है। मना करने पर झगड़े पर आमादा हैं। पीड़ित किसानों ने कोतवाली में तहरीर देकर समस्या का समाधान कराने की मांग की है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लौना निवासी सोबरन सिंह, रघुवीर आदि ने पुलिस को बताया कि उनकी कृषि भूमि संख्या 748 मौजा लौना में स्थित है। वह अपनी कृषि भूमि पर सब्जियां उगाकर अपना भरण पोषण करते हैं। सब्जियों के लिए पानी वह सरकारी गूल संख्या 749 से लेते हैं। इसी गूल के पानी उपयोग वह निरंतर करते आ रहे हैं। लेकिन अब इस गूल पर गांव के ही कुछ व्यक्ति जबरन अतिक्रमण कर उस पर पक्का निर्माण करा रहे हैं। जिससे गूल से मिलने वाला पानी बंद हो रहा है। पानी बंद होने से इसका असर सब्जियां उगाने पर पड़ेगा। उनका सब्जियां उगाने का व्यवसाय ही चौपट हो जाएगा। आरोप लगाया कि जब उन्होंने पक्का निर्माण करने को विपक्षियों को मना किय तो वह झगड़े व मारपीट पर आमादा हो गए। पीड़ित किसानों ने पुलिस से समस्या का समाधान कराने की गुहार लगाई है। वहीं, पुलिस मामले कीजांच कर रही है।

एट में बुजुर्ग का शव घर में फंदे से लटका मिला, पुलिस जांच में जुटी

(यंग भारत न्यूज)

जालौन । जालौन के एट कस्बे में बुधवार को एक 65 वर्षीय बुजुर्ग का शव उनके घर में फंदे से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी उस समय हुई जब शाम को परिजन घर लौटे। सूचना मिलते ही एट कोतवाली पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान अंबेडकर नगर निवासी रामसेवक (65) पुत्र ग्यासी के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बुधवार दोपहर करीब दो बजे उन्होंने घर के एक कमरे में टीनशेड के नीचे लगे लोहे के पाइप से तौलिये का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य घर से बाहर थे। शाम करीब पांच बजे जब परिजन वापस लौटे तो उन्होंने रामसेवक को फंदे से लटका देखा, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही कस्बा इंचार्ज पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक अपने पीछे दो पुत्र, उदय और कैलाश अहिरवार, को छोड़ गए हैं। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है और सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

एसडीएम व बीडीओ ने ग्राम लौना में संचालित गोशाला का निरीक्षण किया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । गोशालाओं की हकीकत देखने के लिए एसडीएम व बीडीओ ने ग्राम लौना में संचालित गोशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गोशाला में लगभग 50 गोवंश मिले। हरा चारा, भूसा व दाना के साथ दोनों केयर टेकर मौजूद मिले। निरीक्षण के दौरान सफाई नहीं मिलने पर नाराजगी जताई एवं सफाई व्यवस्था दुरूस्त करने के निर्देश दिए । एसडीएम राकेश कुमार सोनी व बीडीओ प्रशांत दुबे ने ग्राम पंचायत लौना में संचालित गोशाला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गोशाला में मिले केयर टेकर से गोशाला का रिकार्ड मांगा तो वह कोई रजिस्टर नहीं दिखा पाए लेकिन जानकारी उपलब्ध करा दी। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि गौशाला में 78 गोवंश रहते हैं। इस समय संख्या कम है। निरीक्षण के दौरान लगभग 50 गोवंश मौजूद मिले। गोवंशों के लिए खाने के लिए एक ट्राली लगभग 10-12 क्विंटल हरा चारा, लगभग चार क्विंटल भूसा एवं 25 किग्रा दाना व रातव उपलब्ध था। गोवंशों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था ठीक थी। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई ठीक न होने पर नाराजगी जाहिर की और व्यव्स्था दुरूस्त करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बारिश में गोवंशों के सुरक्षित रहने के पर्याप्त व्यवस्था थी। एसडीएम ने निरीक्षण के दौरान केयर टेकर को निर्देशित किया कि बरसात में गौवंशों को खाने, पीने व रहने की कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। इस मौके पर प्रधान प्रतिनिधि बलवान सिंह व ग्रामीण मौजूद रहे।

कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । परिषदीय शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ देने की दिशा में बुधवार को तहसील सभागार में कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा और शिक्षकों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। लंबे समय से शिक्षकों की कैशलेस चिकित्सा सुविधा की मांग चली आ रही थी, जिसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरा कर बड़ी सौगात दी है। इससे अब शिक्षकों और उनके परिवारों को गंभीर बीमारी की स्थिति में आर्थिक चिंता किए बिना बेहतर उपचार की सुविधा मिल सकेगी। एसडीएम राकेश कुमार सोनी ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। कैशलेस चिकित्सा योजना से शिक्षा विभाग से जुड़े कर्मचारियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा और उन्हें इलाज के दौरान आर्थिक राहत मिलेगी। ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन ने कहा कि यह योजना शिक्षा परिवार के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। यह निर्णय शिक्षकों के स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस मौके पर चेयरमैन प्रतिनिधि पुनीत मित्तल, खंड शिक्षा अधिकारी ज्ञान प्रकाश अवस्थी, राकेश निरंजन, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विद्यासागर मिश्र आदि रहे।

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सका योजना का शुभारंभ

-पालिकाध्यक्ष,एसडीएम ने शिक्षको को दिए कार्ड

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर के महंत नगर स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में बुधवार को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना एवं डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के माध्यम से तहसील क्षेत्र के शिक्षकों को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना से जोड़ते हुए उन्हें योजना के कार्ड वितरित किए गए और इसके लाभों की जानकारी दी गई।प्रदेश स्तर पर इस योजना का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी के ट्रेड सेंटर से किया। इसके बाद सभी जनपदों और तहसील मुख्यालयों पर कार्यक्रम आयोजित कर शिक्षकों को योजना से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू की गई।योजना का उद्देश्य शिक्षकों एवं उनके आश्रित परिवारों को गुणवत्तापूर्ण और कैशलेस स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, ताकि गंभीर बीमारी या उपचार के दौरान उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना न करना पड़े।नगर में आयोजित कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल एवं पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने चयनित शिक्षकों को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के कार्ड प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित शिक्षकों में एसआरपी इंटर कालेज के प्रधानाचार्य आशीष पोरवाल, नरेंद्र सिंह, पंकज कुमार सामी, सीताशरण (देवगांव), अजित सक्सेना (अखनीवा), ज्ञानचंद्र (पहाड़गांव), जितेंद्र गुप्ता, स्नेहा गुप्ता, अंकिता, नीता सिंह और अभिषेक श्रीवास्तव प्रमुख रहे।कार्यक्रम में जीतू गुप्ता विरगुवां, रंजन गोस्वामी, धर्मेंद्र बबेले,शिक्षिका बबिता बबेले, ऋतु वर्मा,करुणा विश्वकर्मा, प्रतीक्षा गुप्ता,अनिता पाल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि यह योजना शिक्षकों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी, क्योंकि इससे उन्हें और उनके परिवार को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं बिना नकद भुगतान के उपलब्ध हो सकेंगी। कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों से अधिक से अधिक पात्र साथियों को योजना से जोड़ने का आह्वान किया गया तथा इसके लाभ और प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई।

व्यापारियों ने राज्यमंत्री व लघु उद्योग निगम के उपाध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं का समाधान कराने की मांग की

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । कृषि व्यापार से संबंधित समस्याओं को लेकर व्यापारियों ने राज्यमंत्री व लघु उद्योग निगम के उपाध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं का समाधान कराने की मांग की है।

एग्रो इनपुट डीलर्स एसोसिशएन के जिलाध्यक्ष केपी सिंह पाल व महामंत्री अंकुर पटेल ने राज्यमंत्री व लघु उद्योग निगम के उपाध्यक्ष नटवर गोयल को ज्ञापन देकर बताया कि सरकार द्वारा बीज व्यापार से संबंधित 'साथी एप' लाया है। इस एप पर केवल उत्पादन इकाइयों को ही जोड़ा जाए। इसके बाद प्रदेश में व्यापारियों को तब तक इस एप से न जोड़ा जाए जब तक कि अन्य सभी प्रदेश में यह एप लागू न कर दिया जाए। सभी प्रदेशों में एप के लागू होने के बाद ही प्रदेश में व्यापारियों का इस एप से जोड़ा जाए।

इसके साथ ही बताया कि प्राइवेट व्यापारियों पर खाद को सरकारी दामों पर ही बेचने का दबाव बनाया जाता है। जबकि व्यापारियों को खाद मंहगे दामों पर मिलती है भाड़ा और लेबर मिलाकर प्रतिबोरी लगभग 270 रुपये यूरिया पड़ती है। ऐसे में सरकारी रेट पर खाद बेचना संभव नहीं हो पाता है। उन्होंने इसे तर्कसंगत बनाए जाने की मांग की है। इस मौके पर संगठन मंत्री विनय सिंह, प्रवीण कुमार आदि मौजूद रहे।

शिव भक्तो का अमरनाथ जत्था रवाना,भूतेश्वर मंदिर पर पूजा अर्चना कर बाबा के दर्शन को निकले शिव भक्त

(यंग भारत न्यूज)

कोंच पूरे श्रद्धा भाव के साथ नगर से पवित्र अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले शिवभक्तों का जत्था बुधवार सुबह प्राचीन भूतेश्वर मंदिर से रवाना हुआ। यात्रा से पहले सभी श्रद्धालु चंदकुआ स्थित भूतेश्वर महादेव मंदिर परिसर में एकत्र हुए, जहां विधि-विधान से भगवान भोलेनाथ भूतेश्वर महाराज का पूजन-अर्चन किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष से गूंज उठा तथा पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं ने देश, प्रदेश और क्षेत्र की सुख-समृद्धि तथा सभी की मंगल कामना करते हुए बाबा अमरनाथ के दर्शन के लिए प्रस्थान किया। यात्रा पर रवाना होने से पहले परिजनों, मित्रों और स्थानीय लोगों ने शिवभक्तों का तिलक लगाकर स्वागत किया तथा उनकी सुरक्षित एवं सफल यात्रा की शुभकामना दीं।श्रद्धालुओं ने बताया कि अमरनाथ यात्रा उनके लिए आस्था, विश्वास और आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रतीक है। बाबा बर्फानी के दर्शन का सौभाग्य मिलना जीवन का एक विशेष अवसर माना जाता है। यात्रा को लेकर सभी भक्तों में खासा उत्साह देखने को मिली। अमरनाथ यात्रा पर रवाना होने वाले श्रद्धालुओं में जयप्रकाश रावत बंटे, अमन टंडन, सत्यम सोनी, अंकित गुप्ता, सचिन यादव सहित अन्य शिवभक्त शामिल रहे। श्रद्धालुओं के रवाना होने के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मंदिर परिसर में मौजूद रहे और जयकारों के साथ सभी यात्रियों को विदा किया।

दृष्टिबाधितो के लिए फैमिली काउंसिलिंग बैठक आयोजित

-उपस्थित सभी को आत्मनिर्भर बनने का दिया संदेश

(यंग भारत न्यूज)

कोच नगर के मुख्य मार्ग स्थित एक होटल में बुधवार के ऑल इंडिया कनफेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड (एआईसीबी), दिल्ली के तत्वावधान में दृष्टिबाधित व्यक्तियों और उनके परिजनों के लिए फैमिली काउंसलिंग मीटिंग का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में कोंच नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से तकरीबन 40 से अधिक दृष्टिबाधित व्यक्ति अपने परिवार के सदस्यों के साथ उपस्थित हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ पालिकाध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके.पर सभासद अनिल वर्मा भी मौजूद रहे। एआईसीबी के परियोजना अधिकारी सुधांशु शुक्ला ने कहा कि यदि दृष्टिबाधित व्यक्तियों को परिवार और समाज का सहयोग मिले तो वे सामान्य लोगों की तरह हर कार्य करने में सक्षम हैं। उन्होंने परिवार के सदस्यों से अपील की कि वे दृष्टिबाधितों के साथ न तो जरूरत से ज्यादा सुरक्षा का व्यवहार करें और न ही उन्हें उपेक्षित करें, बल्कि उन्हें समान अवसर देकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ें।उन्होंने बताया कि संस्था ने कोंच नगर और ब्लॉक के गांवों में 150 से अधिक दृष्टिबाधित व्यक्तियों की पहचान की है, जिनमें से 80 लोगों को घर-घर जाकर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के तहत चलना-फिरना, घरेलू कार्य, मोबाइल चलाना तथा महिलाओं को भोजन बनाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। साथ ही सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ सफल प्रशिक्षुओं को 15 हजार रुपये का अनुदान देकर स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।सुधांशु शुक्ला ने बताया कि जिले में अब तक 750 से अधिक दृष्टिबाधितों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है तथा 410 लोगों को 15-15 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देकर दुकान, बकरी पालन, गाय पालन सहित अन्य रोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया गया है। पालिकाध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता ने कहा कि दृष्टिबाधितों में अद्भुत प्रतिभा होती है और अवसर मिलने पर वे हर क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि नगर पालिका स्तर की योजनाओं में उन्हें हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। वहीं सभासद अनिल वर्मा ने कहा कि दृष्टिबाधित स्वयं को कभी असहाय न समझें, जरूरत पड़ने पर वे हमेशा उनके साथ खड़े रहेंगे।कार्यक्रम के दौरान लोकेंद्र, वंदना (नदीगांव) तथा मेवालाल (कौशलपुर) सहित कई लाभार्थियों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं यूडीआईडी कार्ड भी उपलब्ध कराए गए। इस अवसर पर संस्था के कार्यकर्ता अमल तिवारी, राम सिंह, राकेश और स्नेहलता सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे दृष्टिबाधितों के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

शांतिभंग की कार्रवाई की

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । शराब के नशे में मोहल्ले के लोगों के साथ झगड़ा कर रहे युवक के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने शांतिभंग की कार्रवाई की है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला दलालनपुरा निवासी दीपू कुमार बुधवार की सुबह शराब के नशे में मोहल्ले के लोगों के साथ झगड़ा कर रहा था। वहां मौजूद लोगों ने समझाने की कोशिश की तो उनके साथ भी गाली, गलौज शुरू कर दी। मोहल्ले के लोगों ने इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे एसआई शिवम सिंह सेंगर ने आरोपी के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की है।

सूने घर से गैस सिलेंडर सहित प्याज की आधी बोरी चोरी

पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला मालवीय नगर में बुधवार को चोरी का एक मामला सामने आया है। चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाते हुए घर से गैस रखे कामर्शियल गैस सिलेंडर और आधी बोरी प्याज चोरी कर ली। पूरी वारदात मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित राजेश अग्रवाल ने कोतवाली में प्रार्थनापत्र देकर परिवार के ही एक युवक समेत एक अज्ञात व्यक्ति पर चोरी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि घटना के दौरान चोर घर में घुसे और सामान लेकर फरार हो गए, जिसकी पूरी गतिविधि सीसीटीवी फुटेज में रिकॉर्ड हुई है।पुलिस ने पीड़ित की तहरीर और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि फुटेज की जांच के साथ अन्य साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं और जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

एट के दरोगा और दो सिपाहियों के खिलाफ था मामला , इसलिये पुलिस ने दर्ज नही की थी रिपोर्ट

सीजेएम के आदेश पर एट के तत्कालीन एसएचओ समेत आठ के खिलाफ एफआईआर, छेड़छाड़ और पुलिस संरक्षण के आरोप

- महिला की शिकायत पर न्यायालय के आदेश के बाद एट थाने में दर्ज हुआ मुकदमा।
- तत्कालीन एसएचओ, एसआई, दो पुलिसकर्मियों और कार्तिक त्रिपाठी समेत आठ लोग नामजद।
- पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर शुरू की विवेचना।

(यंग भारत न्यूज)

जालौन। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) के आदेश पर एट कोतवाली के तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक पंकज पांडेय, तत्कालीन उपनिरीक्षक अभिषेक पोरवाल, दो अज्ञात पुलिसकर्मियों, कार्तिक त्रिपाठी और उसके तीन अज्ञात साथियों के खिलाफ एट थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

न्यायालय में प्रस्तुत प्रार्थना पत्र के अनुसार, एट कस्बे की एक महिला ने आरोप लगाया है कि 26 फरवरी 2026 की शाम करीब सात बजे कार्तिक त्रिपाठी और उसके तीन साथियों ने उसके साथ छेड़छाड़, अभद्रता और अश्लील हरकतें कीं। महिला का आरोप है कि आरोपी लाल रंग की ब्रेजा कार से उसे जबरन ले जाने का प्रयास कर रहे थे। विरोध करने और शोर मचाने पर आरोपियों ने कार से कुचलकर हत्या करने का प्रयास किया, लेकिन आसपास मौजूद लोगों के हस्तक्षेप के कारण वे मौके से फरार हो गए। शिकायतकर्ता के मुताबिक घटना के तुरंत बाद उसने महिला हेल्पलाइन 1090 पर सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।28 फरवरी को जब वह एट थाने में तहरीर देने पहुंची तो उसकी रिपोर्ट भी दर्ज नहीं की गई।महिला ने आरोप लगाया कि तत्कालीन थाना प्रभारी पंकज पांडेय अपने सरकारी आवास पर मुख्य आरोपी कार्तिक त्रिपाठी को संरक्षण दे रहे थे। शिकायत के अनुसार, जब उसने घटना का वीडियो बनाने का प्रयास किया तो तत्कालीन एसएचओ पंकज पांडेय, उपनिरीक्षक अभिषेक पोरवाल और दो अन्य पुलिसकर्मियों ने उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने उसे थप्पड़ मारे, अभद्र भाषा का प्रयोग किया, मोबाइल फोन छीन लिया और दूसरे मोबाइल को फेंकने का प्रयास किया। महिला का यह भी आरोप है कि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय समझौते का दबाव बनाया और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। शिकायतकर्ता का कहना है कि स्थानीय पुलिस से राहत न मिलने पर उसने पुलिस अधीक्षक, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस महानिदेशक, मुख्यमंत्री, राज्यपाल, राज्य महिला आयोग, राज्य मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री सहित कई अधिकारियों को पंजीकृत डाक के माध्यम से शिकायत भेजी।इसके अलावा सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत थाना परिसर के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने और उसकी प्रमाणित प्रति उपलब्ध कराने का भी अनुरोध किया, लेकिन कहीं से कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद महिला ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 173(4) के तहत प्रार्थना पत्र दाखिल किया।मामले का प्रथम दृष्टया संज्ञान लेते हुए न्यायालय ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया।न्यायालय के आदेश के अनुपालन में एट थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। एफआईआर में कार्तिक त्रिपाठी, तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक पंकज पांडेय, तत्कालीन उपनिरीक्षक अभिषेक पोरवाल, दो अज्ञात पुलिसकर्मियों तथा कार्तिक त्रिपाठी के तीन अज्ञात साथियों को नामजद किया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए एफआईआर दर्ज की गई है। विवेचना के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों, दस्तावेजों और गवाहों के बयान के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। मामले में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। यह मामला जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद पुलिस अधिकारियों समेत आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के तहत मेधावी बेटियों का सम्मान, प्रतिभाशाली छात्राओं के खातों में 5-5 हजार की प्रोत्साहन राशि हस्तांतरित

- जिला पंचायत अध्यक्ष व जिलाधिकारी ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित, अभिभावकों से बेटियों की शिक्षा निरंतर जारी रखने का किया आह्वान

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। महिलाओं एवं बेटियों के सशक्तिकरण, शिक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के अंतर्गत शैक्षिक सत्र 2025-26 में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया गया। आयोजित सम्मान समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी एवं जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर मेधावी छात्राओं के उत्साहवर्धन के लिए प्रत्येक छात्रा के बैंक खाते में 5,000 की प्रोत्साहन राशि भी हस्तांतरित किए जाने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। समारोह में छात्राओं के साथ उनके अभिभावक भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी ने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। उन्हें उचित अवसर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और परिवार का सहयोग मिले तो वे समाज और देश का गौरव बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने का जनआंदोलन है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों की शिक्षा किसी भी परिस्थिति में बाधित न होने दें, उन्हें निरंतर प्रोत्साहित करें तथा उनके सपनों को साकार करने में हर संभव सहयोग दें। उन्होंने कहा कि आज सम्मानित हुई छात्राएं अन्य बेटियों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं और उनका उत्कृष्ट प्रदर्शन पूरे जनपद के लिए गर्व का विषय है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अभिभावकों एवं अन्य लोगों को 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के उद्देश्यों, बालिका शिक्षा, सुरक्षा, संरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी भी दी गई। समारोह का उद्देश्य बेटियों के उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन को सम्मानित करने के साथ-साथ समाज में बालिका शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना रहा।

सांप के जहर पर भारी पड़ी डॉक्टरों की मेहनत

-30 एंटी स्नेक वेनम इंजेक्शन देकर बचाई 19 वर्षीय युवक की जान, स्वस्थ होकर लौटा घर

-मेडिकल कॉलेज ने की प्राण रक्षा

(यंग भारत न्यूज)

उरई,जालौन । कालपी निवासी 19 वर्षीय सचिन को सर्पदंश के बाद गंभीर हालत में 4 जुलाई की सुबह राजकीय मेडिकल कॉलेज के आकस्मिक विभाग में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार युवक को न्यूरोटॉक्सिक सांप ने काटा था, जिससे उसे सांस लेने और आंखें खोलने में कठिनाई हो रही थी। आकस्मिक विभाग की टीम ने तत्काल युवक को इंट्यूबेट कर आईसीयू में भर्ती किया और उपचार के दौरान उसे 30 एंटी स्नेक वेनम इंजेक्शन लगाए। उपचार के बाद उसकी हालत में तेजी से सुधार हुआ और 7 जुलाई को स्वस्थ होने पर उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह ने स्वयं आईसीयू पहुंचकर मरीज की स्थिति की जानकारी ली और चिकित्सकों को बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कॉलेज प्रशासन के अनुसार, बुंदेलखंड क्षेत्र में 30 एंटी स्नेक वेनम इंजेक्शन देकर मरीज की जान बचाने का यह पहला मामला है। मरीज के उपचार में मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. प्रेम सिंह के नेतृत्व में डॉ. जीतम सिंह राजपूत, डॉ. वीरेंद्र गुप्ता, डॉ. कुलदीप, डॉ. पायल सहित पूरी चिकित्सकीय टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सफल उपचार पर प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह एवं सीएमएस डॉ. प्रशांत निरंजन ने पूरी टीम को बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

अखिलेश के जन्मदिन पर सपा का शक्ति प्रदर्शन, पौधरोपण मंच से फूंका 2027 का चुनावी बिगुल

बलिया सांसद सनातन पांडेय ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश, बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने का दिया संदेश

(यंग भारत न्यूज)

जालौन। अखिलेश यादव के जन्मदिवस पर समाजवादी पार्टी ने ग्राम उरगांव स्थित बजरंग इंटर कॉलेज परिसर में पौधरोपण एवं कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित कर शक्ति प्रदर्शन किया। कार्यक्रम जिला पंचायत सदस्य रामेंद्र त्रिपाठी के संरक्षण और दीपू त्रिपाठी के संयोजन में संपन्न हुआ। इसमें बड़ी संख्या में सपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल हुए।

मुख्य अतिथि बलिया सांसद सनातन पांडेय ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को पौधे लगाने के साथ उनकी देखभाल का भी संकल्प लेना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण मिल सके। कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सांसद ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों का आह्वान करते हुए कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और जनता के बीच सक्रिय रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी जनहित के मुद्दों पर संघर्ष कर रही है और कार्यकर्ताओं की एकजुटता से आगामी चुनाव में बेहतर परिणाम मिलेंगे। अपने संबोधन के दौरान सांसद ने अयोध्या राम मंदिर से जुड़े कथित घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर राजनीतिक आरोप लगाए। यह टिप्पणी उनके राजनीतिक भाषण का हिस्सा रही। कार्यक्रम में सपा के जिलाध्यक्ष दीपराज गुर्जर, मणीन्द्र मिश्रा, आशीष चौबे, परमात्मा निरंजन, अरविंद चौबे, चंद्र प्रकाश यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने संगठन को मजबूत बनाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

संतुलित उर्वरक के प्रयोग से बढ़ेगी पैदावार, घटेगी लागत और सुरक्षित रहेगी मिट्टी - जिलाधिकारी

-जनपद में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध, किसानों से वैज्ञानिक अनुशंसा के अनुसार उर्वरक प्रयोग करने की अपील

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने जनपद के किसानों से अपील करते हुए कहा है कि खरीफ सीजन को देखते हुए जनपद में सभी प्रमुख उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। वर्तमान में 13,768 मीट्रिक टन यूरिया, 9,941 मीट्रिक टन डीएपी, 339 मीट्रिक टन एमओपी (पोटाश), 1,602 मीट्रिक टन एनपीके तथा 1,194 मीट्रिक टन एसएसपी उपलब्ध है। उन्होंने किसानों से कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा आवश्यकता के अनुसार अधिकृत विक्रेताओं एवं सहकारी समितियों से ही उर्वरक खरीदें। जिलाधिकारी ने कहा कि उर्वरकों का असंतुलित एवं अत्यधिक प्रयोग मिट्टी की उर्वरा शक्ति को प्रभावित करता है, पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है तथा खेती की लागत बढ़ाने के साथ उत्पादन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इसलिए किसान कृषि वैज्ञानिकों द्वारा निर्धारित मात्रा में ही संतुलित उर्वरकों का प्रयोग करें, जिससे फसल उत्पादन बढ़े और भूमि की उर्वरा शक्ति भी बनी रहे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री प्रणाम योजना के तहत संतुलित उर्वरक उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। किसान अनावश्यक रूप से उर्वरकों का भंडारण न करें, उर्वरक खरीदते समय आधार कार्ड साथ रखें तथा विक्रेता से कैश मेमो अवश्य प्राप्त करें। उन्होंने नाइट्रोजन की टॉप ड्रेसिंग के लिए सामान्य यूरिया के स्थान पर नैनो यूरिया के प्रयोग को भी अपनाने की सलाह दी, जिससे पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ती है और रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम होती है। जिलाधिकारी ने किसानों से फसलवार अनुशंसित उर्वरक मात्रा के अनुसार ही उर्वरकों का प्रयोग करने की अपील करते हुए कहा कि संतुलित पोषण से फसल की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों में वृद्धि होती है।

उन्होंने कहा कि यदि कोई विक्रेता निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर उर्वरक बेचता है, टैगिंग करता है अथवा अन्य अनियमितता करता है तो किसान तत्काल जिला कृषि अधिकारी कार्यालय अथवा संबंधित अधिकारियों को शिकायत करें। ऐसी शिकायतों पर तत्काल जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

जेल रोड पर खुला मां पीतांबरा इंटरप्राइजेज का विशाल स्कूटी शोरूम

11 कन्याओं ने फीता काटकर किया शुभारंभ, व्यापारियों व गणमान्य लोगों की रही मौजूदगी

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। शहर के जेल रोड स्थित राम जी पुरम कॉलोनी गेट के बगल में मां पीतांबरा इंटरप्राइजेज के विशाल स्कूटी शोरूम का शुभारंभ धार्मिक एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया। शोरूम का उद्घाटन 11 कन्याओं द्वारा फीता काटकर एवं पूजन-अर्चन के साथ संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मां पीतांबरा इंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर संतोष गुप्ता, जो जिला उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष भी हैं, ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता, विश्वसनीय सेवा और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता रहेगी। कार्यक्रम में सहयोगी प्रोपराइटर राजकुमार अग्रवाल, सुंदर लाल वर्मा एवं राघवेंद्र सिंह सहित व्यापार मंडल के पदाधिकारी, व्यापारी, समाजसेवी तथा शहर के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने नए प्रतिष्ठान के शुभारंभ पर शुभकामनाएं देते हुए इसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उद्घाटन समारोह के दौरान अतिथियों का स्वागत किया गया तथा प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। पूरे आयोजन में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला।

ग्राम विरासनी में जीने की स्लोप गिरने से तीन लोग घायल, उप जिलाधिकारी ने मौके पर पहुंचकर लिया जायजा

घायल बच्ची को बेहतर उपचार के लिए झांसी रेफर, दैवीय आपदा मद से अनुमन्य सहायता देह होगी

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनपद के ग्राम विरासनी में एक मकान की जीने (सीढ़ी) की स्लोप अचानक गिर जाने से तीन लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही उप जिलाधिकारी हेमन्त पटेल तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लेते हुए परिजनों से मुलाकात कर हर संभव प्रशासनिक सहायता का भरोसा दिलाया। उप जिलाधिकारी ने बताया कि हादसे में प्रिया पुत्री अनिल कुमार उम्र 6 वर्ष के सिर में गंभीर चोट आई है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज, उरई से बेहतर उपचार के लिए झांसी रेफर किया गया है। वहीं जिया पत्नी अनिल कुमार उम्र 28 वर्ष तथा सरस्वती पत्नी शिवम कुमार उम्र 30 वर्ष को सामान्य चोटें आई हैं। दोनों घायलों का उपचार राजकीय मेडिकल कॉलेज, उरई में चल रहा है और उनकी स्थिति सामान्य एवं स्थिर है। मौके पर पहुंचे उप जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि घायलों के उपचार में किसी प्रकार की कमी न रहने पाए। उन्होंने परिजनों को आश्वस्त किया कि शासन के प्रावधानों के अनुसार दैवीय आपदा मद से जो भी अनुमन्य आर्थिक सहायता देय होगी, उसे प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशासन द्वारा घटना पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जा रही है।

बिजली विभाग की घोर लापरवाही समाने आयी

खकसीस-दमा मार्ग पर तीन माह से झुकें पड़े तीन खम्भे, ले लेंगे किसी जान

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। माधौगढ़ तहसील क्षेत्र के अंतर्गत पड़ने वाले खकसीस से दमा वाले मार्ग पर बिजली विभाग की गंभीर लापरवाही सामने आई है। इस मार्ग पर पिछले करीब दो महीने से बिजली के तीन खंभे झुकी हुई स्थिति में खड़े हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। इसके बावजूद बिजली विभाग की ओर से अब तक इन्हें सीधा कराने या बदलने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क से प्रतिदिन बड़ी संख्या में राहगीर, स्कूली बच्चे और वाहन गुजरते हैं। बारिश और तेज हवा के दौरान इन खंभों के गिरने का खतरा और बढ़ जाता है। यदि समय रहते इन्हें ठीक नहीं कराया गया तो कोई भी अप्रिय घटना हो सकती है। ग्रामीणों ने कई बार संबंधित अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। लोगों ने बिजली विभाग से झुके हुए खंभों को तत्काल ठीक कराने की मांग की है ताकि संभावित हादसे को रोका जा सके। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि विभाग किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार करने के बजाय समय रहते आवश्यक कार्रवाई करे।

मिशन सेफ फ्यूचरः जालौन में स्कूली वाहनों पर परिवहन विभाग की बड़ी कार्रवाई, 5 वाहन निरुद्ध

फिर भी अभी बाकी हैं बहुत सारे स्कूलों के वाहनों की जांच

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। स्कूली छात्र-छात्राओं की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने और परिवहन नियमों का कड़ाई से पालन कराने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा 'मिशन सेफ फ्यूचर' के तहत जनपद में विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान फिटनेस, परमिट एवं सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले स्कूली वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई।

सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश कुमार ने विभिन्न मार्गों पर स्कूली वाहनों की सघन जांच की। जांच के दौरान तीन स्कूली वाहनों में परिवहन नियमों एवं सुरक्षा मानकों की अनदेखी पाए जाने पर उन्हें नियमानुसार कार्रवाई करते हुए थाना माधौगढ़ में निरुद्ध कराया गया। इसके अलावा अन्य कई स्कूली वाहनों का चालान भी किया गया। इसी क्रम में यात्री/मालकर अधिकारी आनन्द राय कुरील ने भी अभियान चलाकर स्कूली वाहनों की जांच की। इस दौरान दो वाहनों में सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर उन्हें औद्योगिक क्षेत्र पुलिस चौकी, उरई में निरुद्ध कराया गया तथा अन्य नियम उल्लंघन करने वाले वाहनों के चालान किए गए। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया कि 'मिशन सेफ फ्यूचर' अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। विभाग ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी स्कूल प्रबंधन एवं वाहन स्वामियों को माननीय सर्वोच्च न्यायालय तथा परिवहन विभाग द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों, जैसे जीपीएस, सीसीटीवी, आपातकालीन द्वार, फिटनेस प्रमाणपत्र तथा प्रशिक्षित चालक की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। विभाग ने चेतावनी दी है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले वाहनों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अपने बच्चों को स्कूल भेजने से पहले वाहन की सुरक्षा व्यवस्था एवं उसके वैध दस्तावेजों की अवश्य जांच कर लें।

मुख्यमंत्री ने शिक्षकों को दिया कैशलेस चिकित्सा योजना का तोहफा, विद्यार्थियों के खातों में भेजी डीबीटी राशि

विकास भवन सभागार में देखा गया मुख्यमंत्री का लाइव प्रसारण, उत्कृष्ट कार्य के लिए कोंच की शिक्षिका वंदना राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। प्रदेश के शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के हित में संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के शुभारंभ के अवसर पर वाराणसी से आयोजित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम का जनपद जालौन में विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में सजीव प्रसारण देखा एवं सुना गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम के उपाध्यक्ष एवं राज्यमंत्री नटवरलाल, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान, जनप्रतिनिधि, अधिकारी तथा बड़ी संख्या में शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

वाराणसी से आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ करते हुए प्रदेश के लगभग 12 लाख शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ प्रदान किया। साथ ही 1.10 करोड़ विद्यार्थियों के अभिभावकों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से प्रति विद्यार्थी 1,200 रुपये की धनराशि यूनिफॉर्म, जूता-मोजा,12 स्वेटर, स्कूल बैग एवं स्टेशनरी खरीदने के लिए हस्तांतरित की गई।

कार्यक्रम के दौरान लगभग 10 लाख शिक्षकों एवं संविदा कर्मियों को सामाजिक सुरक्षा कवच उपलब्ध कराने के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ एमओयू का निष्पादन किया गया। वहीं राष्ट्रीय स्तर पर चयनित स्वच्छ एवं हरित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं प्रधानाध्यापकों को भी सम्मानित किया गया। जालौन जनपद के लिए यह अवसर विशेष गौरव का रहा, जब कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय कोंच की शिक्षिका वंदना को उत्कृष्ट कार्यों के लिए मुख्यमंत्री द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। उनके सम्मान से जिले के शिक्षकों में हर्ष और गर्व का वातावरण दिखाई दिया। लाइव प्रसारण के उपरांत विकास भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जनपद स्तर पर भी शिक्षकों को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के अंतर्गत कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए गए। राज्यमंत्री नटवरलाल ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा और शिक्षकों के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना शिक्षकों एवं उनके परिवारों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं। उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान के लिए लागू की गई यह योजना शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाएगी। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि शासन की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से पहुंचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिक्षा विभाग की सभी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक राजकुमार पंडित, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विकास चौधरी, शिक्षा विभाग के अधिकारी, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, जनप्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, बैंक और वेंडर समयबद्ध पूरा करें कार्य - जिलाधिकारी

- लंबित आवेदनों, ऋण वितरण और सोलर प्लांट स्थापना की समीक्षा; अनावश्यक आवेदन निरस्त करने पर लगाई फटकार, तीन दिन में इंस्टॉलेशन पूरा कराने के निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक कर संबंधित अधिकारियों, बैंक प्रतिनिधियों तथा वेंडरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में योजनांतर्गत लंबित आवेदनों, ऋण स्वीकृति एवं वितरण, सोलर प्लांट स्थापना की प्रगति तथा बैंकों और वेंडरों की कार्यप्रणाली की बिंदुवार समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन बैंक शाखाओं एवं शाखा प्रबंधकों द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में अपेक्षित रुचि नहीं ली जा रही है अथवा अनावश्यक विलंब किया जा रहा है, उन्हें चिन्हित कर उनके विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यह केंद्र सरकार व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी एवं महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दास्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना के पात्र आवेदनों को बिना ठोस कारण के निरस्त (रिजेक्ट) न किया जाए। यदि किसी आवेदन में तकनीकी अथवा अभिलेखीय समस्या हो तो उसकी जानकारी तत्काल यूपीनेडा के परियोजना अधिकारी को उपलब्ध कराई जाए, ताकि समयबद्ध तरीके से उसका समाधान कर लाभार्थी को योजना का लाभ दिलाया जा सके। उन्होंने योजना से जुड़े सभी अधिकृत वेंडरों को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं के पूर्ण एवं त्रुटिरहित आवेदन समय से संबंधित बैंकों में प्रस्तुत किए जाएं, जिससे ऋण स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो। साथ ही जिन लाभार्थियों के ऋण का वितरण हो चुका है, उनके आवासों पर अधिकतम तीन दिवस के भीतर सोलर प्लांट की स्थापना अनिवार्य रूप से पूर्ण कराई जाए। बैठक में कुछ वेंडरों की अनुपस्थिति पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में किसी भी समीक्षा बैठक से अनावश्यक अनुपस्थित रहने वाले वेंडरों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित विभागों, बैंक अधिकारियों एवं वेंडरों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजना के प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक समय पर लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला अग्रणी प्रबंधक (एलडीएम), विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि एवं शाखा प्रबंधक, यूपीनेडा के अधिकारी तथा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से संबद्ध वेंडरों ने प्रतिभाग किया।

माधौगढ़ तहसील दलालो व बिचौलियों का बना सबसे बडा अड्डा

-जायज काम भी नही होते दलालों के बिना
-सरकारी कर्मचारियों की तरह दलाल घुसे रहते हैं कार्यालय के अंदर तक

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन) जनपद जालौन की माधौगढ़ तहसील इस समय दलालों और बिचौलियों का सबसे बड़ा अड्डा बन चुकी है। तहसील परिसर में सुबह से लेकर शाम तक दलालों का भारी जमावड़ा लगा रहता है, जिसके कारण दूर-दराज के गांवों से आने वाले सीधे-साधे ग्रामीण बेहद परेशान हैं। स्थिति यह हो गई है कि इस तहसील में अब कोई भी काम बिना दलालों के माध्यम से और बिना सुगमता शुल्क दिए होना नामुमकिन सा हो गया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र बनवाना हो, भूमि की पैमाइश करानी हो, या फिर खतौनी और वरासत दर्ज करानी हो—हर छोटे-बड़े काम के लिए दलाल खुलेआम मोटी रकम की मांग करते हैं। जो ग्रामीण दलालों को पैसे देने से मना करते हैं, उनके जायज कामों को भी हफ्तों और महीनों तक लटकाया जाता है। तहसील के बाबू और कर्मचारी भी सीधे जनता से बात करने के बजाय इन बिचौलियों को ज्यादा तरजीह देते हैं, जिससे भ्रष्टाचार की जड़ें और मजबूत हो गई हैं।

हैरानी की बात यह है कि इस पूरे खेल की जानकारी तहसील के आला अधिकारियों को भी है। परिसर में सरेआम घूम रहे इन दलालों पर न तो उपजिलाधिकारी और न ही तहसीलदार स्तर से कोई सख्त कार्रवाई की जाती है। अधिकारियों की इस रहस्यमयी चुप्पी और निष्क्रियता के चलते ग्रामीण खुद को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि भ्रष्टाचार मुक्त शासन का दावा करने वाली सरकार की छवि को स्थानीय प्रशासन बट्टा लगा रहा है।

परेशान और त्रस्त जनता ने अब शासन और जिला प्रशासन के उच्च अधिकारियों से इस गंभीर मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही तहसील परिसर को दलालों से मुक्त नहीं कराया गया और भ्रष्ट तंत्र पर नकेल नहीं कसी गई, तो वे उग्र आंदोलन और धरने के लिए मजबूर होंगे

कई वर्षों से जलभराव से जूझ रहे ग्रामीणों ने डीएम से लगाई गुहार

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। शाहजादपुर डमर रोड पर कुकरगांव तालाब के पास पिछले कई वर्षों से बने जलभराव और गंदगी की समस्या से परेशान ग्रामीणों ने जिलाधिकारी जालौन को शिकायती पत्र सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की है।

शिकायती पत्र में ग्राम शाहजादपुर के निवासी रामलखन (काजूपाल), सुशील कुमार, रामऔतार, रमेश वर्मा, नीरज आदि ने अपर जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि कुकरगांव तालाब के पास सड़क पर पिछले चार से पांच वर्षों से जलभराव की समस्या बनी हुई है। बरसात के मौसम में सड़क पर घुटनों तक पानी भर जाता है, जिससे राहगीरों और ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क के एक ओर तालाब की बाउंड्रीवाल और दूसरी ओर कूड़े का ढेर होने के कारण लोगों को दलदल और गंदे पानी से होकर निकलना पड़ता है। इस समस्या की शिकायत कई बार संबंधित अधिकारियों से की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि पिछले वर्ष सड़क का डामरीकरण कराया गया था, लेकिन लगभग एक किलोमीटर सड़क को ऊंचा नहीं किया गया। उस समय ठेकेदार और जेई ने सड़क ऊंची कर जलभराव की समस्या दूर करने का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक स्थिति जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों ने अपर जिलाधिकारी से मांग की है कि संबंधित अधिकारियों को तत्काल निर्देश देकर जलभराव, गंदगी और सड़क की समस्या का स्थायी समाधान कराया जाए, ताकि बरसात के मौसम में लोगों को आवागमन में होने वाली परेशानी से राहत मिल सके।

बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने धर्म स्थल में वृक्षारोपण कर धरती को हरा करने का संकल्प लिया

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन। बुधवार को नगर बजरंग दल कार्यकर्ताओं के तत्वावधान में आयोजित सेवा सप्ताह के दौरान एक वृक्ष सौ पुण्य, हरित भारत स्वस्थ भारत का नारा बुलंद करते हुते वृक्षारोपण कर धरती को हरा भरा करने का संकल्प लिया।

बजरंग दल सेवा सप्ताह के अंतर्गत कालपी नगर के कांशीराम कालोनी के श्री हनुमान जी मंदिर परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वृक्षों की रक्षा करने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर बजरंग दल नगर संयोजक हर्ष विश्नोई कालपी, द्वारा यह कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में विश्व हिन्दू परिषद के नगर अध्यक्ष बबन ठाकुर, उपाध्यक्ष, लला सेंगर, विद्यार्थी परिषद प्रमुख मोहन, बल उपासना प्रमुख विशाल तरी, वार्ड संयोजक राम जी जाटव, साहिल समेत संगठन के समस्त कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों ने सहभागिता की।

तहसील में जलभराव से आहत अधिवक्ताओं ने इंटरलाकिंग के लिए विधायक को सौंपा पत्र

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन) माधौगढ़ तहसील जनपद मुख्यालय से करीब पचास किलोमीटर की दूरी पर है जहां पर 256 राजस्व पंचायतों के किसान नौजवान गरीब अमीर छात्र वादकारी आदि का हर दिन तहसील से संबंधित कामों और मुकदमों की पैरवी के लिए आना होता है तहसील परिसर में इंटरलाकिंग न होने की बजह से बरसात का पानी तहसील परिसर में भर जाता है जिसके चलते लोगों को आवागमन में भारी मशक्कत झेलनी पड़ती है अधिवक्ताओं से लेकर वादकारियों अधिकारियों समेत अन्य लोगों को भी जल भराव के दंश को झेलना पड़ता है बार एसोसिएशन अध्यक्ष संजय सिंह राजावत और महामंत्री शिवनारायण पाल एडवोकेट ने दर्जनों अधिवक्ताओं के साथ एक शिकायती प्रार्थना पत्र उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य को सम्पूर्ण समाधान दिवस में देते हुए बताया था कि तहसील परिसर माधौगढ़ में रजिस्ट्री कार्यालय के पीछे की तरफ मिट्टी के ढेर व टीनशैड द्वारा रास्ता सकरा होने के कारण आवागमन में भारी परेशानी साबित हो रही है तहसील परिसर में पड़ी गहरी जगहों में मिट्टी भराई जाए वहीं वाहनों के लिए समुचित पार्किंग का स्थान बनाया जाए वहीं मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेश चिकित्सा कार्ड एवं डीबीटी वितरण कार्यक्रम में तहसील में पधारे क्षेत्रीय विधायक मूलचंद सिंह निरंजन को बार एसोसिएशन अध्यक्ष संजय सिंह राजावत ने एक पत्र देते हुए तहसील परिसर में इंटरलाकिंग बिछवाई जाने की बात जनहित में रखी है उन्होंने क्षेत्रीय विधायक से कहा कि तहसील में जरा भी वारिश हुई कि जलभराव हो जाता है इस समस्या के समाधान हेतु तहसील में ऊबड़-खाबड़ जगहों में मिट्टी भराई जाए एवं इंटरलाकिंग बिछवाई जाए जिससे कि लोगों को तहसील आने में कोई मशक्कत नहीं लेनी पड़े इस मौके पर पूर्व बार एसोसिएशन अध्यक्ष कैलाश चंद्र द्विवेदी विवेक द्विवेदी पूर्व कोषाध्यक्ष कप्तान सिंह पाल राजकुमार याज्ञिक अखिलेश सविता माता प्रसाद राकेश श्रीवास्तव अखिलेश दोहरे शिवकुमार गौतम हलधर त्रिपाठी नावर धर्मेंद्र सिंह समेत अन्य अधिवक्ताओं की मौजूदगी रही है

बाढ़ एवं बारिश से निपटने को प्रशासन अलर्ट, एसडीएम करेंगे संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। यमुना तथा वेतवा नदियों की संभावित बाढ़ एवं बारिश के खतरे को देखते हुए तहसील कालपी का प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया उपजिलाधिकारी अमित शेखर शीघ्र ही तहसीलदार अभिनव तिवारी, नायब तहसीलदारों तथा राजस्व विभाग की टीम के साथ यमुना एवं वेतवा नदी के संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लेंगे। साथ ही संबंधित विभागों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण करा दी जायेगी।

उपजिलाधिकारी अमित शेखर के अनुसार कालपी तहसील क्षेत्र में बहने वाली यमुना एवं वेतवा नदी के जलस्तर में वृद्धि होने की स्थिति में प्रभावित गांवों एवं नगर के मुहल्लों में राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। बाढ़ संभावित क्षेत्रों में सुरक्षा, राहत सामग्री, नावों की उपलब्धता तथा अन्य आवश्यक संसाधनों की समीक्षा की जाएगी। मालूम हो कि पिछले तीन वर्षों के दौरान यमुना की बाढ़ से करीब डेढ़ दर्जन गांवों तथा कालपी नगर के आधा दर्जन वार्ड प्रभावित हुए थे। जहां बाढ़ का पानी प्रवेश कर जाने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। इसी को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष प्रशासन पहले से ही व्यापक तैयारियों में जुट गया है। एक भेंट में एसडीएम अमित शेखर ने बताया कि बाढ़ राहत चौकियों को समय से पहले सक्रिय किया जाएगा, जिससे आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य तत्काल शुरू किए जा सकें। राजस्व, पुलिस, स्वास्थ्य, नगर पालिका तथा अन्य विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करेंगे। मालूम हो कि कालपी में यमुना नदी का खतरे का निशान 108 मीटर पर दर्ज है। पिछले साल बाढ़ आने से यमुना का जलस्तर 113 मीटर पर पहुंच गया था।

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारम्भ व डीबीटी वितरण कार्यक्रम आयोजित

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। बुधवार को तहसील सभागार में मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के शुभारम्भ एवं डीबीटी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एसडीएम अमित शेखर की अध्यक्षता में शिक्षकों के अलावा विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी रही। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना की जानकारी देते हुए खंड शिक्षा अधिकारी रंगनाथ चौधरी ने बताया कि इस योजना के माध्यम से शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ मिलेगा। साथ ही पात्र लाभार्थियों को डीबीटी के माध्यम से लाभ राशि हस्तांतरित की गई। एसडीएम अमित शेखर ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, जिससे आमजन को योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके। तहसीलदार अभिनव तिवारी, मनोज चतुर्वेदी,अंकुर श्रीवास्तव, हरि कृष्णा कुशवाहा, पूनम पुरवार, नितेंद्र कुमार त्रिपाठी, आलोक कुमार श्रीवास्तव, रिचा निरंजन, मलखान सिंह, पंकज पालीवाल, पूनम पालीवाल, अनिल कुमार, दुर्गेश कुमार, अमृता सिंह, दिनेश कुमार भास्कर, प्रदीप कुमार, संजय कुमार खरे, दीपक सिंह निरंजन, रोहित पटेल, सचिन पोरवाल, प्रवीण सिंह, विश्वनाथ सिंह, भारत लाल, जितेंद्र कुमार पाराशर, जितेंद्र श्रीवास्तव, आलोक कुमार श्रीवास्तव, प्रताप भानु सिंह, शैलेंद्र कुमार, कीर्ति वर्मा, बनवारी लाल, अवधेश कुमार, शबनम परवीन, साधना चौहान, संजय कुमार गुप्ता, निहाल सिंह आदि ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

विवेक के जिला ग्रामोद्योग अधिकारी बनने पर उद्यमियों ने जताई खुशी

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। मंडलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केंद्र कालपी में लंबे समय तक अपनी सेवाएं दे चुके विवेक कुमार गुप्ता के जिला ग्रामोद्योग अधिकारी जालौन के पद पर नियुक्त होने पर क्षेत्र के उद्यमियों में खुशी व्यक्त की है। ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं एवं उद्यमियों ने नवनियुक्त जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गुप्ता से उम्मीद जताई कि उनके प्रयासों से जिले में ग्रामोद्योग एवं कुटीर उद्योगों को नई गति मिलेगी। उद्यमियों राज कुमार गुप्ता,प्रेम कुमार गहोई, रविंद्र नाथ गुप्ता आदि ने कहा कि विवेक ने कालपी में अपने सेवाकाल के दौरान ग्रामीण क्षेत्र में उद्योगों को बढ़ावा देने, स्वरोजगार योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं की उन्हें बेहतर जानकारी है। जिससे योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक आसानी से पहुंच सकेगा।नवनियुक्त जिला ग्रामोद्योग अधिकारी विवेक ने कहा कि उनकी प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्रों में कुटीर एवं लघु उद्योगों का विकास, युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ना तथा शासन की ग्रामोद्योग योजनाओं का अधिक से अधिक लोगों तक लाभ पहुंचाना होगी। उन्होंने उद्यमियों को आश्वस्त किया कि विभाग पूरी पारदर्शिता और सक्रियता के साथ कार्य करेगा तथा औद्योगिक विकास को नई दिशा देने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

रक्षाबंधन पर होगा दिल्ली सरकार का सबसे बड़ा धमाका! महिलाओं को हर महीने मिलेंगे 2,500, तैयारी पूरी

(यंग भारत न्यूज)

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार जल्द ही महिलाओं के लिए अपनी सबसे बड़ी आर्थिक सहायता योजना शुरू करने की तैयारी में है। अधिकारियों के मुताबिक, रक्षाबंधन यानी 28 अगस्त को इस योजना की शुरुआत की जा सकती है।

इसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये की वित्तीय मदद दी जाएगी। सरकार फिलहाल इस बात पर अंतिम फैसला ले रही है कि पूरी राशि सीधे बैंक खाते में भेजी जाए या उसका कुछ हिस्सा फिक्स्ड डिपॉजिट के रूप में जमा किया जाए। योजना के लिए बैंकों के साथ कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं और अगस्त के मध्य तक तैयारियां पूरी होने की उम्मीद है। साथ ही, सरकार योजना का नाम बदलने और आवेदन प्रक्रिया को अंतिम रूप देने पर भी काम कर रही है। दिल्ली सरकार इस योजना का नाम बदलने पर भी विचार कर रही है। अब तक इसे महिला समृद्धि योजना के नाम से जाना जा रहा था, लेकिन इसे दिल्ली लक्ष्मी योजना नाम दिया जा सकता है। सरकार का मानना है कि राज्य की सबसे बड़ी महिला कल्याण योजना के नाम में दिल्ली का नाम होना चाहिए और इससे साफ पता चले कि यह योजना केवल महिलाओं के लिए है। मार्च 2025 में पेश किए गए दिल्ली बजट में इस योजना के लिए 5,100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। यह योजना भारतीय जनता पार्टी के चुनावी वादों में भी शामिल थी। चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि महिलाओं को पहली किस्त 8 मार्च 2025 को मिलेगी। हालांकि पात्रता तय करने में देरी होने के कारण योजना अब तक शुरू नहीं हो सकी।

कौन-कौन महिलाएं हो सकती हैं पात्र

सरकार की ओर से तैयार किए गए ड्राफ्ट के अनुसार, योजना का लाभ उन्हीं महिलाओं को मिल सकता है जो तय शर्तों को पूरा करें।

संभावित पात्रता इस प्रकार है:

दिल्ली की स्थायी निवासी होना जरूरी।

उम्र 21 से 60 वर्ष के बीच हो।

परिवार की सालाना आय 2.5 लाख रुपये या उससे कम हो।

सरकार इन नियमों को अंतिम मंजूरी देने के बाद आधिकारिक रूप से जारी करेगी।

इन महिलाओं को नहीं मिलेगा लाभ

सरकार कुछ श्रेणियों की महिलाओं को इस योजना से बाहर रखने की तैयारी कर रही है।

इनमें शामिल हैं:

सरकारी कर्मचारी

आयकर देने वाले लोग

पेंशन पाने वाली महिलाएं

चार पहिया वाहन के मालिक परिवार

इन शर्तों का मकसद जरूरतमंद महिलाओं तक योजना का लाभ पहुंचाना बताया जा रहा है।

राशन कार्ड धारकों को मिल सकती है प्राथमिकता

सरकार इस बात पर भी विचार कर रही है कि जिन महिलाओं के पास राशन कार्ड है और जो उम्र की शर्त पूरी करती हैं, उन्हें आवेदन में प्राथमिकता दी जाए। अधिकारियों का कहना है कि राशन कार्ड धारकों की आय का रिकॉर्ड पहले से उपलब्ध रहता है। हाल ही में सरकार ने राशन कार्ड का सत्यापन अभियान भी चलाया था, जिसमें अपात्र, डुप्लीकेट और मृत लोगों के नाम हटाए गए थे।

कैसे मिलेगा हर महीने 2,500 रुपये

सरकार फिलहाल भुगतान के तरीके पर अंतिम फैसला नहीं ले पाई है। अधिकारियों के अनुसार, दो विकल्पों पर चर्चा चल रही है। पहला, पूरी राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाए। दूसरा, कुछ पैसा बैंक खाते में आए और बाकी राशि महिला के नाम पर फिक्स्ड डिपॉजिट के रूप में जमा कर दी जाए।

इस विषय पर कई बैंकों के साथ बैठकें हो चुकी हैं। डिजिटल रुपये से भी हो सकता है भुगतान दिल्ली सरकार भुगतान के लिए सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी यानी डिजिटल रुपये का इस्तेमाल करने की संभावना भी देख रही है।

अगर यह विकल्प लागू होता है, तो लाभार्थी महिलाओं के पास आरबीआई से अधिकृत बैंक या प्लेटफॉर्म के जरिए बनाया गया सीबीडीसी वॉलेट होना जरूरी होगा। हालांकि अभी इस व्यवस्था पर अंतिम फैसला नहीं लिया गया है और इसे प्रस्ताव का हिस्सा बनाया जा सकता है।

ऑनलाइन होगा आवेदन, ये दस्तावेज होंगे जरूरी

सरकार ने योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन पोर्टल तैयार कर लिया है। अधिकारियों के मुताबिक, पात्रता से जुड़े नियम अपडेट होते ही पोर्टल शुरू कर दिया जाएगा। आवेदन करते समय महिलाओं को ये दस्तावेज देने होंगे:

आधार कार्ड

आधार से लिंक बैंक खाता

दिल्ली में निवास का प्रमाण

स्व-घोषणा

सरकार का कहना है कि पात्रता नियमों को अंतिम मंजूरी मिलते ही आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

साइबर अपराधों पर नकेल कसने के लिए यूपी पुलिस का 'ऑपरेशन साइ-वज्र' शुरू, डीजीपी ने किया शुभारंभ

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। डीजीपी राजीव कृष्ण ने मंगलवार को साइबर अपराधियों के विरुद्ध 'आपरेशन साइ-वज्र' अभियान की शुरूआत की। 14 जुलाई तक प्रदेश स्तर पर चलने वाले इस अभियान के तहत पुलिस द्वारा साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी व उनके द्वारा हड़पी गई राशि पीड़ितों को वापस कराई जाएगी।

साथ ही साइबर अपराधों से बचाव को लेकर ज्यादा से ज्यादा को जागरूक किया जाएगा। साइबर अपराध को लेकर पुलिस मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में डीजीपी ने बताया कि पहली अप्रैल, 2025 से 30 जून 2026 तक साइबर अपराध में प्रयुक्त 2.94 लाख संदिग्ध मोबाइल नंबरों तथा 1.81 लाख मोबाइल उपकरणों को ब्लाक कराया गया। साथ ही साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों में 530 करोड़ रुपये की राशि साइबर अपराधियों तक पहुंचने से रोकी गई। डीजीपी ने कहा कि तकनीकी अथवा अन्य कारणों से लंबित शिकायतों का निस्तारण कर उन्हें आनलाइन प्रणाली में अपलोड किया जाए। उन्होंने बताया कि साइबर अपराध पीड़ितों की राशि शीघ्र वापस दिलाने के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आइ4सी) द्वारा विकसित मनी रिस्टोरेशन माड्यूल (एमआरएम) पोर्टल एवं ग्रीवान्स रिड्रेसल माड्यूल (जीआरएम) उपयोगी सिद्ध हो रहा है। इसकी मदद से पीड़ितों की राशि वापस दिलाई जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संबंधित पोर्टल का ज्यादा से ज्यादा उपयोग किया जाए। इसकी मदद से 50 हजार रुपये तक की राशि को बिना एफआइआर के पीड़ित को वापस किया जा सकता है, जबकि इससे अधिक राशि की बहाली के लिए एफआइआर दर्ज होना अनिवार्य है। डीजीपी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन सभी सुविधाओं एवं प्रक्रियाओं का पूरे राज्य में प्रचार-प्रसार किया जाए, जिससे अधिकाधिक नागरिक इनका लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने साइबर अपराध के विरुद्ध कार्यरत पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के नियमित प्रशिक्षण को भी जरूरी बताया। बैठक में डीजी साइबर क्राइम बीके सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश में 13 नदियों के किनारे लगेंगे 3.83 करोड़ पौधे, बनेगा हरित कॉरिडोर

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। योगी सरकार पौधारोपण महायज्ञ-2026 के तहत इस बार प्रदेश की 13 प्रमुख नदियों के तटों को हरित बनाने का विशेष अभियान चलाएगी। अविरल धारा पौधरोपण कार्यक्रम के अंतर्गत नदियों के तट से पांच किलोमीटर की परिधि में 2,673 स्थलों पर 22,240.11 हेक्टेयर क्षेत्र में 3.83 करोड़ से अधिक पौधे रोपे जाएंगे।

इसका उद्देश्य नदियों के तटीय क्षेत्रों को हरित आवरण देना, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और जल संरक्षण को मजबूत करना है। अभियान में यमुना नदी के किनारे सबसे बड़े स्तर पर पौधारोपण होगा। यमुना के तटवर्ती 647 स्थलों पर 6,531.77 हेक्टेयर क्षेत्र में 1.08 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। वहीं गंगा नदी के किनारे 603 स्थलों पर 4,495.72 हेक्टेयर में 79.86 लाख पौधे रोपे जाएंगे। गंगा तट पर प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशांबी, फतेहपुर, वाराणसी, गाजीपुर, मीरजापुर, भदोही, काशी वन्यजीव और बलिया वन प्रभागों में व्यापक पौधारोपण किया जाएगा। इसके अलावा गोमती के किनारे 297 स्थलों पर 31.37 लाख, सरयू/घाघरा के किनारे 254 स्थलों पर 27.75 लाख, सई नदी के किनारे 23.29 लाख तथा बेतवा नदी के तट पर 52.35 लाख पौधे लगाए जाएंगे। राप्ती, छोटी गंडक, सोन, रामगंगा, केन, हिंडन और चंबल नदियों के किनारे भी बड़े पैमाने पर पौधारोपण कर तटीय क्षेत्रों को हरा-भरा बनाया जाएगा।

बीडीओ की खौफनाक साजिश! 10 लाख का दहेज या महिला दारोगा से इश्क घुट-घुट कर गई अमृता की जान

(यंग भारत न्यूज)

बिहार से पति, पत्नी और 'वो' की कहानी का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने हर किसी को चौंका दिया है। मामला भी किसी आम परिवार का नहीं, बल्कि एक सरकारी अफसर का है। बिहार से पति, पत्नी और 'वो' की कहानी का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने हर किसी को चौंका दिया है। मामला भी किसी आम परिवार का नहीं, बल्कि एक सरकारी अफसर का है।

मृतका अमृता के भाई राजकुमार ने मिठनपुरा थाने में स्त्रढ्ढक्र दर्ज कराई है। उन्होंने बीडीओ मनोज कुमार के अलावा उनके माता-पिता, भाई और बहन को भी नामजद किया है। परिवार का आरोप है कि शादी के बाद से लगातार 10 लाख रुपये दहेज की मांग की जा रही थी। मांग पूरी नहीं होने पर अमृता को प्रताड़ित किया गया और आखिरकार उनकी हत्या कर दी गई। अमृता के भाई का आरोप है कि शुक्रवार देर रात कन्हौली स्थित घर में उनकी बहन को जहरीला पदार्थ दिया गया। हालत बिगड़ने पर उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अमृता सीतामढ़ी जिले के परिहार प्रखंड के बथुआरा गांव की रहने वाली थीं। उनकी शादी वर्ष 2023 में मनोज कुमार से हुई थी। परिवार का कहना है कि पिछले करीब एक साल से दोनों के बीच संबंध खराब थे, क्योंकि अमृता अपने पति के दूसरी महिला से कथित रिश्तों का विरोध करती थीं। सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। इस मामले में पुलिस ने मंगलवार देर रात बेगूसराय में तैनात एक महिला दारोगा को सीतामढ़ी के सुरसंड से हिरासत में लिया। फिलहाल उससे मिठनपुरा थाने में पूछताछ की जा रही है। मृतका के परिजनों का आरोप है कि बीडीओ और महिला दारोगा के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध थे। उनका दावा है कि इसी रिश्ते की वजह से अमृता को लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। जांच के दौरान पुलिस ने बीडीओ मनोज कुमार के दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं। अब इनकी फॉरेंसिक जांच होगी। कॉल डिटेल, व्हाट्सएप चैट, सोशल मीडिया गतिविधियों और अन्य डिजिटल रिकॉर्ड को खंगाला जाएगा। पुलिस को शुरुआती जांच में बेगूसराय में तैनात महिला दारोगा का नंबर भी मिला है। जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि मोबाइल डेटा से दोनों के बीच बातचीत, मुलाकात और पूरे घटनाक्रम से जुड़े कई अहम सुराग मिल सकते हैं। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या अमृता की प्रताड़ना से जुड़े कोई वीडियो या अन्य डिजिटल सबूत मौजूद हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि मनोज कुमार का चयन वर्ष 2018 में रक्षा मंत्रालय में ऑडिटर के पद पर हुआ था। बाद में वर्ष 2020 में उन्होंने अमृता से कोर्ट मैरिज की। इसके दो साल बाद वर्ष 2022 में वह बिहार प्रशासनिक सेवा के तहत बीडीओ बने। अब उनकी पत्नी की मौत का मामला हत्या, दहेज उत्पीड़न और कथित साजिश जैसे गंभीर आरोपों के साथ जांच के केंद्र में है। पुलिस का कहना है कि फॉरेंसिक रिपोर्ट, डिजिटल सबूत और पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी की हत्या में जेल गए बीडीओ मनोज कुमार, अब दारोगा गर्लफ्रेंड भी गिरफ्तार; फोन से खुलेंगे राज

(यंग भारत न्यूज)

मुजफ्फरपुर। दरभंगा जिले के जाले प्रखंड के बीडीओ मनोज कुमार को पत्नी की हत्या के आरोप में जेल भेज दिया गया है। वहीं, इस केस में बीडीओ की कथित गर्लफ्रेंड महिला दारोगा को भी पुलिस ने उठा लिया है।

उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बेगूसराय जिले में तैनात महिला दारोगा पर भी गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। मुजफ्फरपुर के मिठनपुरा थाना क्षेत्र में पिछले सप्ताह बीडीओ मनोज कुमार की पत्नी अमृता की संदिग्ध हालत में मौत हो गई थी। मायके वालों ने दहेज और अवैध संबंध में हत्या का आरोप लगाया है। मुजफ्फरपुर पुलिस ने जाले के प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार को दरभंगा से मंगलवार को गिरफ्तार किया था। पुलिस पूछताछ में उन्होंने बीडीओ ने पारिवारिक विवाद की बात स्वीकार की थी। वहीं, इस मामले में मंगलवार देर रात बीडीओ की कथित प्रेमिका महिला दारोगा को भी सीतामढ़ी जिले के सुरसंड से हिरासत में ले लिया गया। मिठनपुरा थाने पर लाकर उनसे पूछताछ की गई। इसके बाद बुधवार को उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें भी जेल भेजने की कार्यवाही की जा रही है। कथित प्रेमिका बेगूसराय के एक थाने में एएसआई के पद पर तैनात हैं। बीडीओ मनोज कुमार की पत्नी अमृता कुमारी (23) की 3 जुलाई देर रात को मुजफ्फरपुर के मिठनपुरा थाना अंतर्गत कन्हौली स्थित आवास पर संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई थी। मायके वाले बदहवास हालत में यहां पहुंचे थे और अचेत अवस्था में अमृता को अस्पताल ले गए थे। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया था। अमृता कुमारी सीतामढ़ी जिले के परिहार स्थित बथुआरा गांव की रहने वाली थीं। उनकी साल 2023 में बीडीओ मनोज कुमार से शादी हुई थी। बीते एक साल से पति और पत्नी के रिश्तों में दरार आ गई थी। अमृता को शक था कि उनके पति का किसी दूसरी महिला से प्रेम प्रसंग चल रहा है। मुजफ्फरपुर के सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी ने बताया कि अमृता के भाई राजकुमार ने मिठनपुरा थाने में बीडीओ मनोज कुमार, उनके माता-पिता, भाई और बहन के खिलाफ 10 लाख रुपये दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था। अमृता को जहर देकर मारने का आरोप है। पुलिस ने बीडीओ मनोज कुमार के दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं। इनकी फॉरेंसिक जांच कराई जाएगी। फोन से अमृता की मौत मामले में कई राज खुलने की संभावना है। दोनों मोबाइल की कॉल डिटेल, चैट हिस्ट्री और सोशल मीडिया की गहनता से छानबीन की जाएगी। बीडीओ के मोबाइल फोन से ही बेगूसराय में तैनात महिला दारोगा का नंबर पुलिस को मिला था।

अमृता के भाई ने आरोप लगाया कि बीडीओ का उस महिला दारोगा से लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा है। आरोपी मनोज कुमार ने शुरुआत में पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। अमृता की मौत के बाद से उनका मोबाइल फोन बंद था। घटना की रात उन्होंने खुद के ट्रेनिंग के सिलसिले में पटना जाने की बात कही थी। हालांकि, जब पुलिस ने जांच की तो उनका दावा गलत पाया गया। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

मां को मरवा देती हूं, सरकारी नौकरी-प्रॉपर्टी मेरी होगी; राजस्थान में कातिल बेटी आयुषी की हिला देने वाली कहानी

(यंग भारत न्यूज)

मां ने पति की मौत के बाद टूटे हुए परिवार को संभालने की जिम्मेदारी उठाई, उसी मां की मौत की साजिश उसके सबसे करीबी रिश्ते ने रच दी। पुलिस जांच में सामने आई कहानी किसी क्राइम थ्रिलर से कम नहीं है।

आरोप है कि 23 वर्षीय आयुषी ने अपनी विधवा मां नीरज शर्मा की हत्या सिर्फ इसलिए करवा दी ताकि उसे मां की संपत्ति मिल जाए और अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल हो सके। पुलिस के मुताबिक यह हत्या किसी गुस्से या अचानक हुए विवाद का नतीजा नहीं थी। इसके पीछे करीब तीन महीने तक चली सुनियोजित साजिश थी। हर कदम बेहद सोच-समझकर उठाया गया। लोगों को जोड़ा गया, गाड़ी का इंतजाम हुआ और पूरी कोशिश की गई कि हत्या को सड़क हादसा साबित किया जा सके। जांच में सामने आया कि नीरज शर्मा के पति विजय कुमार शर्मा अदालत में एलडीसी थे। करीब एक साल पहले उनकी मौत के बाद परिवार आर्थिक संकट में आ गया था। अनुकंपा के आधार पर नीरज को सरकारी नौकरी मिली ताकि परिवार का गुजारा चल सके। लेकिन पुलिस का दावा है कि यही नौकरी बेटी आयुषी की सबसे बड़ी चाहत बन गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आयुषी को लगता था कि अगर उसकी मां की मौत हो जाएगी तो सरकारी नौकरी उसके हिस्से आ सकती है। इसके साथ ही मां के नाम की संपत्ति भी उसे मिल जाएगी। इसी लालच ने उसे उस रास्ते पर पहुंचा दिया, जहां मां-बेटी का रिश्ता भी मायने नहीं रखता था। आरोप है कि आयुषी ने अपने चाचा मोहन स्वरूप और चचेरे भाई बलराम उर्फ रवि के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। पहले कई तरीके सोचे गए, लेकिन आखिर में फैसला हुआ कि नीरज की हत्या को सड़क दुर्घटना का रूप दिया जाएगा। शुरुआत में किराए की एसयूवी से कोशिश की गई, लेकिन योजना सफल नहीं हुई। इसके बाद दूसरी गाड़ी का इंतजाम किया गया और कई दिनों तक नीरज की हर गतिविधि पर नजर रखी जाती रही। पुलिस के अनुसार हत्या को अंजाम देने के लिए भरतपुर के बयाना निवासी हेमंत शर्मा से सात लाख रुपये में सौदा किया गया। हेमंत ने अपने चार

साथियों को भी इस वारदात में शामिल कर लिया। पूरी टीम को सिर्फ एक जिम्मेदारी दी गई थी कि नीरज की मौत ऐसी दिखनी चाहिए, जैसे वह तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आई हों। 3 जुलाई की शाम करीब 4:45 बजे नीरज अपने दिव्यांग बेटे को कोचिंग छोड़कर घर लौट रही थीं। तभी तेज रफ्तार एसयूवी ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस के मुताबिक गाड़ी करीब 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि नीरज करीब 100 फीट दूर जाकर गिरीं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। चालक वाहन लेकर तुरंत फरार हो गया। शुरुआत में मामला हिट एंड रन का लग रहा था, लेकिन नीरज के भाई राकेश शर्मा ने पुलिस को शिकायत देकर साफ कहा कि उनकी बहन की हत्या हुई है। उन्होंने बताया कि नीरज कई बार कह चुकी थीं कि बेटी आयुषी, सास और भतीजा बलराम लगातार संपत्ति को लेकर उन्हें प्रताड़ित कर रहे हैं। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि नीरज ने अपने भाई से कहा था कि आयुषी का व्यवहार लगातार हिंसक होता जा रहा है। उन्हें आशंका थी कि कभी भी उनके साथ कोई बड़ी घटना हो सकती है। यही बयान बाद में जांच का सबसे अहम आधार बना। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल कॉल रिकॉर्ड और आरोपियों की गतिविधियों का विश्लेषण किया। जांच आगे बढ़ी तो पूरा षड्यंत्र सामने आ गया। पुलिस ने आयुषी, उसके चाचा मोहन स्वरूप, कथित सुपारी किलर हेमंत शर्मा और उसके चार साथियों को गिरफ्तार कर लिया। जबकि चचेरा भाई बलराम उर्फ रवि अभी फरार है। हत्या में इस्तेमाल की गई एसयूवी भी बरामद कर ली गई है। यह मामला सिर्फ एक हत्या का नहीं, बल्कि रिश्तों के टूटते भरोसे की भयावह तस्वीर भी सामने लाता है। जिस मां ने पति की मौत के बाद परिवार को संभालने के लिए नौकरी की, उसी नौकरी और संपत्ति के लालच में उसकी हत्या की साजिश रचे जाने का आरोप है। पुलिस अब फरार आरोपी की तलाश के साथ पूरे षड्यंत्र के अन्य पहलुओं की जांच में जुटी है।

स्पेन की अभेद्य दीवार सिमोन, 6 'क्लीन शीट', बना वर्ल्ड रिकॉर्ड

गोलकीपर उनाई ने 609 मिनट तक गोल नहीं खाने के अपने रिकॉर्ड को किया मजबूत

आर्लिंगटन। स्पेन ने फीफा विश्व कप में रक्षात्मक मजबूती का नया इतिहास रचते हुए लगातार 6 मैचों में 'क्लीन शीट (बिना गोल खाए मुकाबला समाप्त करना)' का विश्व रिकॉर्ड बना दिया। प्री-क्वार्टर फाइनल में पुर्तगाल पर 1-0 की जीत के साथ स्पेन ने यह उपलब्धि हासिल की। वहीं गोलकीपर उनाई सिमोन ने लगातार 609 मिनट तक गोल नहीं खाने के अपने विश्व कप रिकॉर्ड को और मजबूत कर लिया। स्पेन ने इस उपलब्धि के साथ 1990 में इटली और 2006-10 के दौरान स्विट्जरलैंड के लगातार पांच क्लीन शीट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। स्पेन का यह सिलसिला 2022 विश्व कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में मोरक्को के खिलाफ 0-0 के ड्रॉ से शुरू हुआ था।

स्पेन ने स्विट्जरलैंड के 5 क्लीन शीट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा

सिमोन ने बनाया नया रिकॉर्ड

मौजूदा विश्व कप में स्पेन ने ग्रुप चरण के पहले मैच में केप वर्डे के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला। इसके बाद टीम ने लगातार चार मुकाबलों में विपक्षी टीम को गोल करने का मौका नहीं दिया और क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमोन ने लगातार 609 मिनट तक गोल नहीं खाने का नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने नॉकआउट चरण के पहले मुकाबले में ही ऑस्ट्रिया पर 3-0 की जीत के दौरान 517 मिनट के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया था। इससे पहले यह रिकॉर्ड इटली के महान गोलकीपर वाल्टर जेंगा के नाम था, जिन्होंने 1990 विश्व कप में लगातार पांच क्लीन शीट के साथ 517 मिनट तक विपक्षी टीम को गोल नहीं करने दिया था।

तालियों के बीच विदाई
अधूरा रह गया रोनाल्डो का सपना

अर्लिंग्टन। विश्व फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर अपना आखिरी मैच खेलने के बाद पुर्तगाल के सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो जब मैदान से बाहर जा रहे थे तो दर्शकों ने तालियां बजाई, जिसका उन्होंने हाथ हिला कर आभार भी व्यक्त किया लेकिन उनके चेहरे पर निराशा साफ झलक रही थी। अपना छठा और आखिरी विश्व कप खेल रहे 41 वर्षीय सुपरस्टार रोनाल्डो का विश्व कप जीतने का सपना राउंड ऑफ 16 के मैच में पड़ोसी प्रतिद्वंद्वी स्पेन से 1-0 की हार के साथ टूट गया। उन्हें मैच के पहले हाफ में गोल करने का एकमात्र मौका मिला था लेकिन सर्वाधिक लंबे समय तक गोल नहीं खाने का रिकॉर्ड बनाने वाले गोलकीपर उनाई साइमन ने शानदार छलांग लगाकर उनके प्रयास को नाकाम कर दिया। रोनाल्डो लगातार छह विश्व कप में गोल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे ज्यादा गोल (146) और सर्वाधिक मैच खेलने वाले (233) खिलाड़ी रोनाल्डो का फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर करियर यहीं पर समाप्त हो गया। अपने करियर में कई खिताब जीतने वाले रोनाल्डो इस तरह से कभी विश्व कप विजेता नहीं बन पाए।

16 साल बाद क्वार्टर फाइनल में स्पेन, पुर्तगाल को 1-0 से हराया

अर्लिंग्टन। मिकेल मेरिनो ने दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम के पहले मिनट में गोल किया, जिससे स्पेन ने पुर्तगाल को 1-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मेरिनो को फिसल पर रेफरी ने फाउल का फैसला सुनाया। पुर्तगाल के बर्नार्डो सिल्वा बढ़त करने लगे, तभी मेरिनो ने गेंद वापस ली, उसे अपने साथियों के साथ मिलकर आगे बढ़ाया और अंतिम फेरान टोरेस से पास लेकर गोलकीपर डियोगो कोस्टा को आसानी से छकाकर गोल दाग दिया। स्पेन ने 2010 में अपना एकमात्र विश्व कप खिताब जीतने के बाद पहली बार क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जहां उसका मुकाबला शुक्रवार को कैलिफोर्निया के इंगलवुड में बेल्जियम से होगा। अपना छठा विश्व कप खेल रहे मेरिनो 85वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे और उन्होंने जल्द ही अपना रंग जमा दिया, जिसकी बदौलत आर्सेनल ने इस साल 20 से अधिक वर्षों में अपना पहला प्रीमियर लीग खिताब जीता था।

मेजबान अमेरिका का सफर खत्म, बेल्जियम ने दी मात

सिएटल। चार्ल्स डी केटेलेरे ने दो गोल किए और एक गोल करने में मदद की, जिससे बेल्जियम ने अमेरिका को 4-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई और मेजबान टीम की अपनी घरेलू धरती पर अंतिम आठ में पहुंचने की उम्मीद को खत्म कर दिया। इस मैच में अमेरिका की रक्षापंक्ति की कमजोरी भी उजागर हो गई, जिसका बेल्जियम ने पूरा फायदा उठाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप के कारण पिछले मैच में लाल कार्ड मिलने के बावजूद इस मैच में खेलने वाले अमेरिका के स्टार फॉरवर्ड फोलारिन बालोगुन की मौजूदगी से उसकी टीम को मजबूती मिली थी लेकिन वह कोई कमाल नहीं दिखा पाए। केटेलेरे ने पहले हाफ में अपने दोनों गोल (नौवें और 33वें मिनट) रक्षापंक्ति की गलतियों का फायदा उठाकर किए। इस बीच मलिक टिलमैन ने 31वें मिनट में फ्री किक पर गोल करके अमेरिका को बराबरी दिलाई थी लेकिन बेल्जियम ने जवाबी हमला करते हुए 61 सेकंड बाद ही फिर से बढ़त हासिल कर ली। बेल्जियम की तरफ से यह गोल हैंस वानाकेन ने 57वें मिनट में किया। रोमेलु लुकाकू ने स्टॉपेज टाइम के तीसरे मिनट में बेल्जियम का अंतिम गोल दागा।

खबर संक्षेप

इंडिया आने की बना रहा हूं योजना : जोकोविच

नई दिल्ली। मौजूदा समय में क्रिकेट और टेनिस दुनिया की सर्वाधिक खेलों में शुमार है। क्रिकेट के दिग्गज विराट कोहली और टेनिस के दिग्गज सर्बिया के नोवाक जोकोविच अच्छे दोस्त हैं। फिलहाल विंबलडन में हिस्सा ले रहे जोकोविच जल्द भारत आने और विराट कोहली के साथ क्रिकेट खेलने की बात कही है। जोकोविच ने कहा, मैं विराट कोहली के साथ कुछ क्रिकेट और टेनिस खेलना पसंद करूंगा। मैं जल्द ही इंडिया आने की योजना बना रहा हूं। हम इस बारे में बात कर रहे हैं। मुझे पता है कि विराट एक वैश्विक स्टार हैं, लेकिन खासकर भारत में, वह कमाल के हैं। मैं चाहूंगा कि वह मेरे मेजबान बनें और मुझे घुमाएं। मेरे मन में उनके और भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत सम्मान है।

नहीं रहे अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज जादरान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज शापूर जादरान का 38 साल की उम्र में निधन हो गया। वह एक दुर्लभ और जानलेवा बीमारी 'हीमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस'

(एचएलएच) से पीड़ित थे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जादरान ने 2009 से 2020 के बीच अफगानिस्तान के लिए 44 एकदिवसीय और 36 टी20 मैच खेले। एचएलएच एक 'हाइपर-इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम' है जो प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर देता है। मंगलवार को अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने उनके निधन की घोषणा की। एसीबी ने 'एक्स' पर लिखा, 'बहुत दुख और अफसोस के साथ अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड अफगानिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शापूर जादरान के निधन पर शोक व्यक्त करता है।'

फेरी ने किया उलटफेर, दिमित्रोव को रोमांचक मुकाबले में हराया

फेरी ने पहली बार ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

लंदन

घरेलू दर्शकों के चहेते आर्थर फेरी ने शानदार वापसी करते हुए विंबलडन के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। उन्होंने पूर्व विश्व नंबर-3 ग्रिगोर दिमित्रोव को रोमांचक मुकाबले में 7-5, 3-6, 4-6, 6-4, 7-6 (10-7) से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। यह ग्रैंड स्लैम के इतिहास में पहली बार था जब पुरुष एकल के प्री-क्वार्टरफाइनल (अंतिम-16) या उससे आगे के दौर में दो वाइल्ड कार्ड खिलाड़ियों का आमना-सामना हुआ।

यह मुकाबला उतार-चढ़ाव से भरपूर रहा और विंबलडन के इतिहास में यादगार मैचों में शामिल हो गया। दिमित्रोव ब्रिटेन के तीसरे नंबर के खिलाड़ी आर्थर फेरी के खिलाफ दो सेट से एक की बढ़त पर थे और चौथे सेट में दो बार सर्विस ब्रेक की बढ़त भी बना चुके थे। लेकिन 4-3 और 15-0 की बढ़त के बाद दिमित्रोव लगातार 11 अंक गंवा बैठे। उनके खेल में आए इस अप्रत्याशित गिरावट का फायदा उठाकर फेरी ने मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

23 वर्षीय फेरी ने किया कौशल का प्रदर्शन

सेंटर कोर्ट पर अपने पहले ही मुकाबले में 23 वर्षीय फेरी ने उम्र से कहीं अधिक परिपक्वता, कौशल और साहस का प्रदर्शन किया। निर्णायक सेट के टाई-ब्रेक में उन्होंने पहला ही मैच प्वाइंट भुना लिया, जब दिमित्रोव का बैकहैंड नेट में जा फंसा। फेरी अब पुरुष एकल ड्रॉ में बचे एकमात्र ब्रिटिश खिलाड़ी हैं। वह ओपन युग में विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले केवल छठे ब्रिटिश पुरुष खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि एंडी मरे, टिम हेनमैन, रोजर टेलर, ग्रेग रुसेडस्की और कैमरून नॉरी ने हासिल की थी।

अब कोबोली से होगा सामना

फेरी इससे पहले कभी किसी ग्रैंड स्लैम में दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए थे। अब उनका सामना फ्रेंच ओपन (रोलां गैरो) के उपविजेता फ्लावियो कोबोली से होगा, जिन्होंने पांचवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर को 7-5, 7-6 (4), 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। फेरी की शीर्ष-100 में एंट्री पहले ही तय हो चुकी थी। बड़े मौकों पर जिस आत्मविश्वास और संयम के साथ उन्होंने प्रदर्शन किया, उससे यह संकेत मिला कि पेरिस में जन्मे इस खिलाड़ी, जिन्हें 'क्रॉस-चैनल फेरी' भी कहा जाता है, की विश्व रैंकिंग भविष्य में और ऊपर जा सकती है।

श्रीलंका के खिलाफ जीत के करीब वेस्टइंडीज

नॉर्थ साउंड

टेस्ट सीरीज

जस्टिन ग्रीव्स की श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के चौथे दिन 325 गेंदों में खेली गई संघर्षपूर्ण 180 रन की पारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने मैच पर अपनी पकड़ ढीली नहीं होने दी और टीम चार वर्षों में पहली बार टेस्ट श्रृंखला जीतने के बेहद करीब पहुंच गई है।

श्रीलंका के 9 विकेट पर 549 रन पर पारी घोषित के जवाब में वेस्टइंडीज की पहली पारी 499 रन पर सिमटी, जिससे वह केवल 50 रन पीछे रही। दिन का खेल समाप्त होने तक श्रीलंका ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 92 रन बना लिए थे। पहली पारी में शतक लगाने वाले लाहिरू उदारा खाता खोले बिना ही आउट हो गए, जबकि निशान फर्नांडो 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे। स्टंप्स के समय दिनेश चांदीमल 40 और कमिंदु मेंडिस 30 रन बनाकर नाबाद थे। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी हो चुकी है। श्रीलंका की कुल बढ़त अब 142 रन की हो गई है।

विमेंस हंड्रेड में बर्मिंघम फीनिक्स के लिए खेलेंगी फातिमा सना

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने महिला क्रिकेट टीम की कप्तान फातिमा सना को 'विमेंस हंड्रेड टूर्नामेंट' खेलने की अनुमति दी है। फातिमा सना 'विमेंस हंड्रेड' में बर्मिंघम

फीनिक्स का हिस्सा हैं। 21 जुलाई से शुरू होने वाले हंड्रेड के शुरुआती दो मुकाबलों में सना उपलब्ध नहीं रहेंगी। श्रीलंका के खिलाफ 28 जुलाई को वनडे सीरीज समाप्त होने के बाद वह हंबनटोटा से सीधे इंग्लैंड रवाना होंगी और टूर्नामेंट के बाकी मैचों में बर्मिंघम फीनिक्स के लिए खेलेंगी। 24 वर्षीय फातिमा सना हाल ही में हंड्रेड में चुनी जाने वाली पाकिस्तान की पहली महिला क्रिकेटर बनी थीं। बर्मिंघम फीनिक्स ने उन्हें वाइल्डकार्ड ड्राफ्ट के जरिए ऑस्ट्रेलिया की लूसी हैमिल्टन के स्थान पर न्यूनतम 15,000 पाउंड के अनुबंध पर अपनी टीम में शामिल किया था। सना ने टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए 38 गेंदों में नाबाद 55 रन बनाए और 16 रन देकर तीन विकेट भी लिए।

महिला क्रिकेट

टी20 रैंकिंग में पांचवीं बार टॉप पर पहुंची बेथ मूनी

दुबई

विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में 47.60 की औसत के साथ 238 रन बनाने वाली बेथ मूनी महिला बल्लेबाजों की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गई है।

मूनी इस संस्करण में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ियों की सूची में दूसरे पायदान पर रहीं, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया को रिकॉर्ड सातवीं बार खिताब जिताने में अहम योगदान दिया। ऐसा पांचवीं बार है, जब मूनी टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में टॉप पर पहुंची हैं। उनसे ज्यादा समय तक दुनिया की नंबर 1 बल्लेबाज रहने का रिकॉर्ड सिर्फ कैरन रोल्टन के नाम है।

मूनी हमवतन वोल को पछाड़ा

मूनी (786 रेटिंग) ने एक पायदान की छलांग लगाकर ऑस्ट्रेलिया की हमवतन जॉर्जिया वोल (779 रेटिंग) को पछाड़ दिया है, जो अब दूसरे पायदान पर पहुंच गई हैं। साउथ अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ड्ट (771 रेटिंग) को भी एक पायदान का नुकसान हुआ है, जो अब तीसरे स्थान पर खिसक गई हैं. उनके बाद चौथे स्थान पर हेली मैथ्यूज (754) और पांचवें पायदान पर भारत की स्मृति मंधाना (746) हैं।

तीन स्थान ऊपर चढ़कर 11वें नंबर पर पहुंची ताजमिन ब्रिट्स

ताजा रैंकिंग में सबसे ज्यादा सुधार करने वालों में साउथ अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स शामिल हैं, जो तीन स्थान ऊपर चढ़कर 11वें नंबर पर आ गई हैं। इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट शानदार वर्ल्ड कप अभियान के बाद पांच स्थान ऊपर चढ़कर 16वें नंबर पर पहुंच गई हैं। साइवर-ब्रंट को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में नाबाद 38 रन और साउथ अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल में 75 रनों की पारी ने रैंकिंग सुधारने में अहम भूमिका निभाई।

कैलिफोर्निया और टेक्सास में खेला जा रहा टी20 एमएलसी का चौथा सत्र

फुटबॉल के बीच अमेरिका में क्रिकेट की दस्तक

वॉशिंगटन

फुटबॉल विश्व कप के कारण इन दिनों अमेरिका में फुटबॉल का जुनून सिर चढ़कर बोल रहा है, लेकिन इसके साथ ही क्रिकेट भी तेजी से अपनी जगह बना रहा है और इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

देश की पहली पेशेवर टी20 प्रतियोगिता मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) का चौथा सत्र इन दिनों कैलिफोर्निया और टेक्सास में खेला जा रहा है। माना जा रहा है कि 2028 के लॉस एंजेलिस ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी और एमएलसी के विस्तार से अमेरिका में इस खेल को नई पहचान मिलेगी।

एमएलसी में खेल रहे बड़े क्रिकेटर

एमएलसी में दुनिया के कई बड़े क्रिकेटर खेल रहे हैं। इनमें रविचंद्रन अश्विन, फाफ डु प्लेसिस, केशव महाराज, सुनील नारायण, मार्कस स्टोइनिस, कुसल परेरा, रचिन रवींद्र, हारिस रऊफ, उन्मुक्त चंद और जेसन होल्डर जैसे नाम शामिल हैं।

पांच वर्षों में क्रिकेट का तेजी से हुआ विकास

भारत को 2012 में अंडर-19 विश्व कप जिताने वाले पूर्व कप्तान उन्मुक्त चंद अपने क्रिकेट करियर को आगे बढ़ाने के लिए 2021 में अमेरिका चले गए थे। एलए नाइट राइडर्स के लिए खेलने वाले उन्मुक्त चंद ने कहा, 2021 में यहां आने के बाद पिछले पांच वर्षों में क्रिकेट का तेजी से विकास हुआ है। हर साल कुछ नया देखने को मिल रहा है। इस वर्ष हमें लॉस एंजिलिस में क्रिकेट का समर्पित स्टेडियम भी मिल गया है। पिछले सप्ताह एलए नाइट राइडर्स ने कैलिफोर्निया के पोमोना में एक नए क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन किया, जिसे अमेरिका में क्रिकेट का स्थायी केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

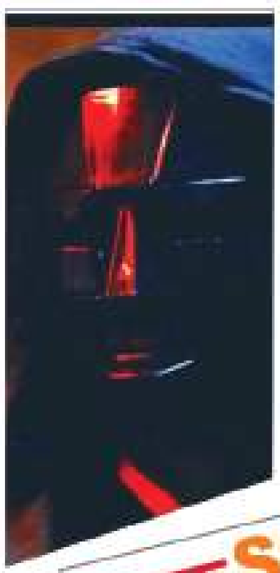

नए सितारों से सजी 'रहूं मैं तेरे रूबरू' का ट्रेलर जारी...

मुंबई। फिल्म 'रहूं मैं तेरे रूबरू' का ट्रेलर सामने आ चुका है। इसमें सस्पेंस है, थ्रिल है और एक्शन भी है। मर्डर मिस्ट्री और लव ट्रायएंगल सहित इस फिल्म में कई दिलचस्प ट्विस्ट हैं। इस फिल्म में आर्य कुमार, नीता शेट्टी और पीहू विस्वास जैसे नए कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म 'रहूं मैं तेरे रूबरू' का निर्देशन इंद्र दास ने किया है। इसे एसएस एंटरटेनमेंट वर्ल्ड के बैनर तले सुमन सौरभ ने प्रोड्यूस किया है। 'रहूं मैं तेरे रूबरू' 17 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मंगलवार को रिलीज हुए इस फिल्म के ट्रेलर में आज की तकनीक और इंटरनेट की दुनिया के जीवन पर हो रहे नकारात्मक असर को दिखाने की भी कोशिश की गई है।

लाइफ Style

कृति

मैंने करवा लिए एग्ज फ्रीज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एक्टर कृति सेनन ने बताया है कि उन्होंने अपनी फिल्म 'मिमी' की तैयारी के दौरान अपने एग्स फ्रीज करवाने का फैसला किया था। उन्होंने इसे अपने लिए गए 'सबसे समझदारी भरे' फैसलों में से एक बताया है।

हाल ही में हुए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि यह फैसला फिल्म के लिए उनके फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन (शारीरिक बदलाव) के समय के साथ मेल खाता था, इसलिए यह प्रोसेस करवाने का यह सबसे सही मौका था। 35 साल की एक्ट्रेस ने बताया कि एग फ्रीजिंग से अक्सर ब्लोटिंग (पेट फूलना) और हार्मोनल बदलाव होते हैं। चूंकि उन्हें 'मिमी' फिल्म में अपने रोल के लिए वजन बढ़ाना था, इसलिए उन्हें लगा कि यही सही समय है जब वे यह प्रोसेस करवा सकती हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने एक व्यक्ति से बात की थी, जिन्होंने मुझे बताया कि अगर आप कर सकती हैं, तो यह आपके लिए सबसे अच्छी चीज है। यह सबसे अच्छा तोहफा है जो आप खुद को दे सकती हैं। यह बात मेरे दिमाग में रही। फिर, जब मुझे वजन बढ़ाने के लिए कहा गया, तो मुझे लगा कि यही सही समय है'। एक्ट्रेस ने इस प्रोसेस के इमोशनल और फिजिकल असर के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि इस प्रोसेस की वजह से काफी हार्मोनल बदलाव हुए और इसे करवाते समय उन्हें कई तरह की भावनाएं महसूस हुईं। एक्ट्रेस ने बताया कि उनका मानना है कि जिंदगी के बड़े फैसले समाज की उम्मीदों के बजाय अपनी निजी तैयारी के आधार पर लिए जाने चाहिए।

हॉलीवुड मसाला

पार्टी रॉक एंथम के लिए थीं मशहूर

लॉस एंजिल्स। ब्रिटिश सिंगर लॉरेन बेनेट का 37 साल की उम्र में निधन हो गया है। वह 'पार्टी रॉक एंथम' में अपनी परफॉर्मेंस और जोरदार को फाउंडिंग मेंबर के तौर पर जानी जाती थीं। उनके बैंड के साथियों ने एक भावुक बयान में उनके निधन की पुष्टि की। बैंड ने उनके जीवन व योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी है। लॉरेन बेनेट ने अपने म्यूजिक करियर की शुरुआत 2006 में यूनाइटेड किंगडम में 'द एक्स फैक्टर' के तीसरे सीजन से की थी।

लंदन इंडियन फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जाएगी 52 ब्लू...

नई दिल्ली। एक्ट्रेस नेहा धूपिया अपनी पहली इंटरनेशनल फीचर फिल्म '52 ब्लू' के प्रीमियर के लिए तैयार हैं। यह फिल्म मशहूर लंदन इंडियन फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा है। इसका यूरोपियन प्रीमियर 9 जुलाई को बीएफआई साउथबैंक में होगा। नेहा को शानदार परफॉर्मेंस के लिए फिल्म को पॉजिटिव फीडबैक मिला है। दर्शकों और रिव्यूअर्स, दोनों ने ही फिल्म की इमोशनल गहराई की तारीफ की है, जिससे '52 ब्लू' इस साल फेस्टिवल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली स्क्रीनिंग में से एक बन गई है। नेहा धूपिया ने इस खास पल के बारे में बात करते हुए अपना उत्साह जाहिर किया। उन्होंने कहा '52 ब्लू' मेरे लिए हमेशा एक बेहद खास फिल्म रहेगी क्योंकि यह मेरा पहला इंटरनेशनल प्रोजेक्ट है।

ताज जीतने के 50 साल पूरे, मनाया जश्न

नई दिल्ली। पूर्व ब्यूटी क्वीन नफीसा अली ने मिस इंडिया का ताज जीतने के 50 साल पूरे होने की खुशी मनाई है। इस खुशी में नफीसा ने सोशल मीडिया पर कई पुरानी तस्वीरें साझा की हैं और इसके साथ ही एक खास नोट भी लिखा है। नफीसा ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई पुरानी तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों के साथ नफीसा ने कैप्शन में लिखा, '50 साल पहले मुझे 'मिस इंडिया' का ताज पहनाया गया था।' उन्होंने 1976 में यह खिताब जीता था। इसके बाद उन्होंने टोक्यो में हुए 'मिस इंटरनेशनल 1976' कॉम्पिटिशन में भारत का नाम रोशन किया था और वहां वह सेकंड रनर-अप रही थीं। 69 साल की नफीसा अली ने 2018 में स्टेज 3 के पेट और ओवरी के कैंसर से जंग लड़ी और उसे हराया। अप्रैल 2026 में उन्होंने अपनी सर्जरी के निशान और कीमोथेरेपी की यादें भी फैंस के साथ साझा की थीं।

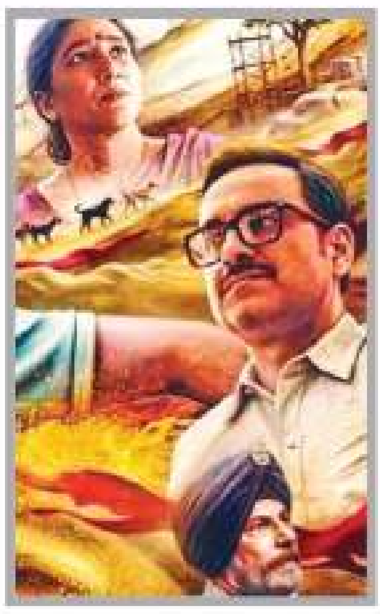

इंसानों व कुत्तों के बीच रिश्ते की कहानी

मुंबई। अमित राय अपनी अगली फिल्म 'ओह माय डॉग' लेकर आ रहे हैं। इससे पहले उन्होंने 'ओह माय गॉड 2' का निर्देशन किया था। उनकी नई फिल्म का टीजर रिलीज हो गया है। टीजर में इंसानों और कुत्तों के बीच बिना शर्त प्यार और वफादारी की एक कहानी की झलक दिखती है। टीजर की शुरुआत अमिताभ बच्चन के मशहूर गाने 'मेरे पास आओ मेरे दोस्तों, एक किस्सा सुनो' से होती है, जो तुरंत पुरानी यादें ताजा कर देता है। साथ ही कहानी की मासूमियत, अपनापन और इमोशनल गहराई को खूबसूरती से दिखाता है। यह फिल्म 31 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म 'ओह माय डॉग' में माही राय, पंकज त्रिपाठी, गीता अग्रवाल शर्मा, राजेश कुमार, पवन मल्होत्रा, सुलक्षणा बरुआ और विजय मिश्रा नजर आएंगे।

टीवी मसाला

पति के 10 अफेयर हों तो भी उन्हें कभी नहीं छोड़ूंगी : सुनीता

नई दिल्ली। मशहूर बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा इन दिनों रियलिटी शो 'लॉक अप उप या सजा' में नजर आ रही हैं और साथ ही अपने बयानों से जमकर सुर्खियां भी बटोर रही हैं। इसी शो के दौरान सुनीता ने अपने पति गोविंदा को लेकर एक ऐसी बात कही है, जिसे सुनकर इस शो के होस्ट फराह खान और रितेश देशमुख भी दंग रह गए। उन्होंने कहा है कि चाहे उनके पति गोविंदा के दस महिलाओं के साथ संबंध ही क्यों न हों, वह उन्हें कभी नहीं छोड़ेंगी। सुनीता ने यह बात नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप उप या सजा' में कही, जिसे फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। इस शो में वाइल्डकार्ड एंट्री के तौर पर आई अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने सुनीता के उन पुराने बयानों पर बात की। इस पर सुनीता भड़क गईं और उन्होंने शिल्पा से कहा कि लोगों को पहले उनकी जगह रहकर देखना चाहिए, उसके बाद ही कोई राय बनानी चाहिए। सुनीता ने कहा, 'जब वह सब आपके साथ होगा, तब आपको समझ आएगा कि मैं किस दौर से गुजरी हूं। यह मेरी जिंदगी है और मैं जो चाहूंगी, वही करूंगी।' उन्होंने आगे कहा, 'गोविंदा मेरा पति है, अगर वह 10 जगह भी अफेयर करेगा, तो भी मैं उसे नहीं छोड़ूंगी। मैं अपनी आखिरी सांस तक उससे प्यार करूंगी।' बाद में सुनीता ने शो के दूसरे कंटेस्टेंट राम कपूर से भी शिल्पा शिंदे की शिकायत की। उन्होंने गुस्से में कहा, 'शिल्पा मुझे उकसा रही है।'

शिवांगी को रोता देख आग-बबूला हुए हर्षद

नई दिल्ली। शो 'लॉकअप 2' इन दिनों झगड़ों, विवादों की वजह से चर्चा में है। इस रियलिटी शो में हाल ही में एक बड़ा हंगामा हुआ। इंफ्लुएंसर श्रेया कालरा की वजह से एक्ट्रेस शिवांगी जोशी फूट-फूटकर रोईं। शिवांगी को ऐसे देखकर उनके दोस्त और पुराने को-एक्टर हर्षद चोपड़ा का पारा चढ़ गया। हर्षद श्रेया से लड़ने के लिए शो में दौड़ पड़े थे। 'लॉकअप 2' के वायरल वीडियो में हर्षद चोपड़ा के सामने शिवांगी रो रही हैं। वह बताती हैं कि उन्होंने श्रेया से सच में पूछा कि क्या उनकी तबियत खराब है। इस पर श्रेया ने शिवांगी के साथ बदतमीजी से बात की। इससे वह दुखी हो गईं और हर्षद चोपड़ा और आकांक्षा चमोला के सामने रोने लगीं। यह देखकर हर्षद गुस्से में श्रेया को तलाशने के लिए दौड़ पड़े। ऐसे में शिवांगी और आकांक्षा ने हर्षद को किसी तरह से रोका। इस दौरान काफी शोर-शराबा हुआ, जिसे सुनकर बाकी प्रतियोगी भी एक जगह पर आ गए।

आवारापन 2 का पहला गाना जुनून रिलीज

सुबोध ने दी है आवाज....

मुंबई। आवारापन 2 के निर्माताओं ने मंगलवार को इमरान हाशमी की फिल्म का पहला गाना जुनून रिलीज कर दिया है। इस गाने के बोल शाहिद कादरी ने लिखे हैं और मिथुन ने कंपोज किया है। इस गाने को गायक सुबोध शर्मा ने गाया है। इस गाने में इमरान हाशमी से लेकर दिशा पाटनी और श्रेया सरन की खास झलक देखने को मिली। फिल्म 'आवारापन 2', 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में इमरान हाशमी और दिशा पाटनी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में श्रेया सरन का भी अहम रोल है। इमरान ने इंस्टाग्राम पर अपने इस गाने को साझा किया और कैप्शन में लिखा, 'इस आवारापन के जुनून में होना है तबाह।' एक यूजर ने लिखा, 'इस गाने की रचना थोड़ी 'सैयारा' से मिलती जुलती लग रहा है' दूसरे यूजर ने लिखा, 'श्रेया सरन के पुराने सीन को देखकर अच्छा लगा।' एक और यूजर ने लिखा, 'आवारापन के गानों की बात ही अलग थी' एक यूजर ने इमरान के लिए लिखा, 'अच्छा बॉलीवुड एक तरफ और इमरान हाशमी एक तरफ'। एक और यूजर ने लिखा, 'शिवम वापस आ गया है'। एक और यूजर ने लिखा, 'इस फिल्म को कोई नहीं रोक सकता, पहले दिन ही हिट हो जाएगी'।

1975 में बैन कर दी गई थी फिल्म सिक्किम 1971

नई दिल्ली। आज हम आपको बताने जा रहे हैं एक ऐसी डॉक्यूमेंट्री फिल्म के बारे में जिसका काफी ज्यादा ऐतिहासिक महत्व है। यह फिल्म तब बनी जब सिक्किम भारत का हिस्सा भी नहीं था। इसे बनाया था लीजेंडरी फिल्ममेकर सत्यजीत रे ने। इस फिल्म की रिलीज के बाद इस पर विवाद हो गया और भारत सरकार ने इसे बैन कर दिया। लोग इस फिल्म का नाम तक भूल गए थे, लेकिन फिर साल 2010 में इसे फिर से रिलीज किया गया और इस मूवी ने तहलका मचा दिया।

सत्यजीत रे साहब ने खोल दी पोल : बात साल 1971 की है जब सिक्किम के राजा ने उस दौर के आइकॉनिक फिल्ममेकर रहे सत्यजीत रे से विनती की, कि वह उनके ऊपर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाएं। क्योंकि सत्यजीत रे साहब नामी और उनकी फिल्मोग्राफी में कमाल थे, इसलिए उन्होंने सिक्किम के तत्कालीन राजा के राज्य के बारे में लगभग सब कुछ दिखा डाला। बल्कि उन्होंने इस डॉक्यूमेंट्री में उनके राज्य की अच्छाइयां और बुराइयां तो दिखाईं ही, साथ ही

जब विदेशी पर्यटकों की हालत और राजसी परिवार और आम लोगों की जिंदगी में कितना फर्क है यह भी दिखाया।

भारत सरकार ने लगा दिया था बैन : कहानी में ट्विस्ट तब आया जब साल 1975 में सिक्किम राज्य भारत का हिस्सा बन गया। सिक्किम 22वें राज्य के तौर पर भारतीय गणराज्य का हिस्सा बना और जब इतना सारा राजनीतिक उठापटक चल रहा था, तो इस बीच सत्यजीत रे की यह डॉक्यूमेंट्री विवादों में घिर गई। सरकार ने इसे बैन कर दिया और लोग मानने लगे कि यह फिल्म पूरी तरह नष्ट कर दी गई है। सरकार ने भी उसकी खोज की, ढूंढा गया और फिर कई दशक बाद ब्रिटिश फिल्म इंस्टीट्यूट को एक डैमेज्ड प्रिंट मिला। इस प्रिंट में क्या था

साल 2010 में फिर से हुई रिलीज

इस प्रिंट में सत्यजीत रे की वही डॉक्यूमेंट्री थी, जिसको उस दौर में महत्वपूर्ण माना गया था। एकेडमी फिल्म आर्काइव ने दोबारा इस पूरी फिल्म को रीस्टोर किया और फिर साल 2010 में सरकार ने इस पर लगाया गया बैन हटा दिया। यानि अब अगर आप चाहें तो इस डॉक्यूमेंट्री फिल्म को बेझिझक देख सकते हैं। अब सवाल उठता है कि आखिर यह फिल्म थी कौन सी? तो इस डॉक्यूमेंट्री फिल्म का नाम था 'सिक्किम 1971'। इसका टाइटल काफी सीधा सा रखा गया था और लेकिन इसका कंटेंट काफी डीप था।

पुरुष समाज का दर्द दिल किया है बयां, हर किसी की आंखें कर दी थीं नम

रफी ने गाया था यह दर्द भरा गीत, कल्ट क्लासिक है 56 साल पुराना गाना

नई दिल्ली। सिनेमा जगत के महान गायक के तौर पर आज भी मोहम्मद रफी को जाना जाता है। अपने सुनहरे सिंगिंग करियर के दौरान उन्होंने हर किस्म के गीतों को आवाज दी थी और उन्हें अमर किया था। लेकिन, सैड सॉन्ग के मामले में रफी साहब एक अलग दर्जे के सिंगर के तौर पर पहचाने जाते थे। इसी आधार पर आज हम आपको मोहम्मद रफी द्वारा गाया एक ऐसे कल्ट क्लासिक सैड सॉन्ग के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे सबसे दर्द भरे गीत के तौर भी जाना जाता है।

किसने तैयार किया गाना

बात की जाए फिल्म हीर रांझा के ये दुनिया ये महफिल की लेकिन की तो मोहम्मद रफी की गायिकी के अलावा इसकी धुनों को मशहूर संगीतकार मदन मोहन अपने धुनों पर तैयार किया था, जबकि इसके लिरिक्स को कैफी आजमी गीतकार ने लिखा था। इस तरह से ये कल्ट क्लासिक सैड सॉन्ग रेडी हुआ था।

1970 में रिलीज हुई थी हीर रांझा

जब मोहम्मद रफी सैड सॉन्ग गाते थे, तो मानो ऐसा लगता कि उन्होंने सच में अपने दिल का दर्द आवाज में उतार के रख दिया है। उनकी आवाज से गाने की खूबसूरती और बढ़ जाती थी, जिसे सुनने के बाद दिल और आंखें भर आती थी। ऐसा ही करिश्मा रफी साहब ने साल 1970 में रिलीज होने वाली फिल्म हीर रांझा के एक गीत के लिए किया था।

राज कुमार पर फिल्माया गया गाना

जब उन्होंने ये दुनिया ये महफिल... गीत गाया था। अभिनेता राज कुमार पर फिल्माया गया मोहम्मद रफी का ये गाना आज भी बॉलीवुड के बेस्ट एवर सैड सॉन्ग के तौर पर जाना जाता है। इस गाने को सुनने के बाद यकीनन तौर पर आपकी भी आंखें भर आएंगी। कुल मिलाकर कहा जाए तो पुरुष समाज का दर्द दिल बयां करने के लिए रफी साहब के ये दुनिया ये महफिल को जाना जाता है। इस वजह से ये हर किसी का फेवरेट भी माना जाता है। अगर आप भी मोहम्मद रफी के गानों को सुनना पसंद करते हैं तो यकीनन तौर पर आपकी प्लेलिस्ट में ये दर्द भरा गीत जरूर शामिल होगा।

लखनऊः रिटायर्ड परिवहन अफसर के घर विजिलेंस का छापा, मिला 'कुबेर का खजाना'; 13 किलो सोना देख अधिकारी दंग

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से भ्रष्टाचार के खिलाफ एक ऐसी बड़ी कार्रवाई सामने आई है, जिसने पूरे महकमे को हिलाकर रख दिया है। यूपी विजिलेंस (सतर्कता अधिष्ठान) की टीम ने परिवहन विभाग के एक छोटे से रिटायर्ड अधिकारी ललित कुमार के ठिकानों पर छापेमारी की है। इस छापेमारी में जो कुछ भी हाथ लगा है, उसे देखकर खुद विजिलेंस के अधिकारियों को 'चक्कर' आ गया। सूत्रों के मुताबिक, ललित कुमार के घर से 'कुबेर का खजाना' बरामद हुआ है।

13 किलो सोना और 9 किलो चांदी बरामद

विजिलेंस विभाग की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई में रिटायर्ड अफसर के ठिकानों से अकूत बेनामी संपत्ति का खुलासा हुआ है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, छापेमारी के दौरान टीम ने:

करीब 13 किलोग्राम सोना बरामद किया है।

9 किलोग्राम चांदी के जेवरात और सिल्लियां जब्त की हैं।

भारी मात्रा में कैश और कीमती जवाहरात भी बरामद होने की खबर है।

बंगले, कोठियां और दुकानों के मिले दस्तावेज

जांच टीम को केवल सोना-चांदी ही नहीं, बल्कि जमीनों और संपत्तियों का एक पूरा 'साम्राज्य' मिला है। जब्त किए गए दस्तावेजों के अनुसार, ललित कुमार के पास कई आलीशान बंगले, कोठियां, व्यावसायिक दुकानें, मकान और कृषि योग्य खेत हैं। इन संपत्तियों से जुड़े दर्जनों अहम दस्तावेज विजिलेंस ने अपने कब्जे में ले लिए हैं।

'एक छोटे पद से रिटायर हुए अधिकारी के पास इतनी बेहिसाब दौलत देखकर पूरी टीम हैरान रह गई। यह साफ तौर पर आय से अधिक संपत्ति का बड़ा मामला नजर आ रहा है।

— विजिलेंस सूत्र

भ्रष्टाचार की कमाई या वैध आय जांच तेज

ट्रांसपोर्ट विभाग का एक सामान्य रिटायर्ड अफसर और उसके पास इतनी अरबों की दौलत— अब यही सवाल इस पूरी जांच के केंद्र में है। विजिलेंस टीम अब इन सभी कड़ियों को जोड़ने में जुट गई है। अधिकारी यह पता लगा रहे हैं कि क्या यह पूरा साम्राज्य भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और पद के दुरुपयोग की काली कमाई से खड़ा किया गया था, या इसके पीछे कोई और खेल है। फिलहाल, ललित कुमार के सभी बैंक खातों, लॉकरों और अन्य करीबियों के ठिकानों को भी खंगाला जा रहा है। आने वाले दिनों में इस मामले में कई और बड़े खुलासे होने की उम्मीद है।

बेसिक शिक्षा में सभी को मिली कैशलेश चिकित्सा सुविधा

-बी आर सी तालबेहट में आयोजित समारोह में जनप्रतिनिधियों ने वितरित किये कार्ड

(यंग भारत न्यूज)

तालबेहट। स्थानीय बी आर सी पर आयोजित समारोह में बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षकों संविदा शिक्षकों रसोईयों को बहु प्रतीक्षित कैशलेश चिकित्सा की सौगात उ प्र सरकार की तरफ से आज से लागू कर दी है आज वाराणसी में प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने अपने कर कमलों से शिक्षकों को प्रतिकात्मक कार्ड वितरित कर छात्रों को डी बी टी के माध्यम से खातों में सीधे धनराशि अंतरित की एवं स्टेट बैंक से एम ओ यू हस्ताक्षरित करा कर एक और सुविधा शिक्षकों को दी इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण पूरे प्रदेश में किया गया जिसके अंतर्गत तालबेहट में खण्ड शिक्षा अधिकारी श्री समर सिंह की अध्यक्षता व ब्लॉक प्रमुख श्री विजय सिंह गोलू राजा तथा नगर पंचायत अध्यक्ष श्री पुनीत सिंह परिहार के मुख्य आतिथ्य एबम श्री अभिजीत सिंह उप जिलाधिकारी के विशिष्ट आतिथ्य में समारोह आयोजित किया गया जहां पर सभी ने सजीव प्रसारण देखा एवं लाभार्थी शिक्षकों को कार्ड वितरित किये इसके पूर्व शुरआत में सभी अतिथियों ने माँ सरस्वती के विग्रह पर पुष्पांजली कर व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की कस्तूरबा विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की अतिथियों के स्वागत के बाद अपने सम्बोधन में ब्लॉक प्रमुख श्री विजय सिंह गोलू राजा ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने शिक्षकों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य किया समारोह में बोलते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष श्री पुनीत सिंह परिहार ने भी सरकार के इस कदम को क्रांतिकारी कदम बताया आगे उपजिलाधिकारी महोदय ने बोलते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने लम्बे समय से चल रही शिक्षकों की मांग को पूरा करते हुए स्वास्थ्य संबंधी समस्या को दूर करने का कार्य किया आज इससे शिक्षक अब बेफिक्र होकर अपना और अपने परिवार का इलाज करा सकता है खण्ड शिक्षा अधिकारी समर सिंह ने भी सरकार के इस कदम की सराहना करते हुए कहा यह मील का पत्थर साबित होगा समारोह में स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक श्री हरेंद्र सिंह भी मौजूद रहे जिन्होंने एम ओ यू के बारे में सविस्तार जानकारी दी इस अवसर पर स्कूल चलो अभियां रैली कम्पॉजिट विद्यालय तरगुवा व रानीपुरा के बच्चों ने स्कूल चलो अभियांन रैली निकाली जिसे खण्ड शिक्षा अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया सभी अतिथियों ने प्रांगण में बृक्षारोपण भी किया नगर पंचायत अध्यक्ष व उप जिलाधिकारी महोदय ने वृक्षारोपण के महत्व को बताया तथा बारह जुलाई को आयोजित कार्यक्रम में सभी को भाग लेने हेतु आमंत्रित किया सरकार के इस कदम की सराहना शिक्षक नेता विजय मिश्रा देवेश शर्मा अमरेश राय जनार्दन पाल अरविंद सिंह मनोहर सिंह बुंदेला धर्मेंद्र उपाध्यय ने भी करते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद ज्ञापित किया कार्यक्रम में ए आर पी श्री पुष्पेंद्र प्रताप सिंह आजाद सिंह संतोष निरंजन अमित खरे ने सभी अतिथियों को बैज अलंकृत कर स्वागत किया समारोह में दिवाकर नाथ चतुर्वेदी विजय मिश्रा देवेश शर्मा अमरेश राय जनार्दन पाल अरविन्द सिंह मनोहर सिंह बुंदेला रमेश सिंह चौहान धर्मेंद्र उपाध्यय आशुतोष बिलगईयां राकेश दुबे सर्वोदय झा रंजना पटेरिया कल्पना वर्मा देवकुँवर बुंदेला दीपक श्रीवास आदित्य सैनी आलोक पाठक मनोज गुप्ता चंद्रशेखर दीपक बबेले ज्ञानेंद्र पाठक देवेंद्र वर्मा बादाम सिंह धर्मेंद्र नामदेव आदि सहित सैकड़ों शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे संचालन अमित खरे व आभार पुष्पेंद्र प्रताप सिंह ने व्यक्त किया।

जुगनू महापंचायत में प्रधानमंत्री गृहमंत्री संघ प्रमुख को भाजपा नेताओं की मौजूदगी में कह गए अपशब्द की शिकायत हाई कमान से होगी लिए

कुछ वक्ताओं ने सपा सुप्रीमो को भी यह कहकर बुरा भला कहा गया, और पंचायत में मौजूद लोगों को चेताया गया जब उनकी सरकार आयेगी तो वे चौरासी क्षेत्र का उत्पीड़न करेंगें

(यंग भारत न्यूज)

उरई ! मालुम हो कि बीती जून कोकालपी विधान सभा क्षेत्र के ग्राम कुकुहनूकुछ लोग अपने ग्राम में पिछले 4 वर्षों से बिजली न आने की शिकायत करने जिलाधिकारी के पास आए थे ग्राम निवासी ओम नारायण सिंह ने बताया उन्होनेडीएम साहब को ज्ञापन देकर जब वेकार्यालय से बाहर निकलरहे थेद्य तब कालपी के विधायक विनोद चतुर्वेदी मिल गएहमने उनहे बताया कि हमारे गांव में 4 साल से बिजली नहीं आ रही है इस पर विधायक श्री चतुर्वेदी ने कहां की आप लोग इसके पहले क्यों नहीं आएद्य इसके बाद वह बिजली विभाग के एक्शन से बात करने लगे तोमै उसका उसवीडियो बनाने लगा इस पर विधायक जी का एक गाना नए उनसे कहा कि वीडियो क्यों बना रहे हो कुत्ते मुझे एक दो तमाचे भी मारे जिसकी शिकायत हमने एसपी की है इसके बाद समाज ने 5 जुलाई को चुरखी में हुई जुगनू महापंचायत करने का निर्णय लिया द्य उधर कालपी के विधायक विनोद चतुर्वेदी का कहना है की डीएम को ज्ञापन देने के बाद ग्रामीणों ने उनसे कहा कि उनके गांव में 4 साल से बिजली नहीं आ रही हम लैंप में पढ़ रहे हैं लैंप में पढ रहे है कृपा उन्होंने तत्काल विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता से बात की अभियंता ने बताया कि गांव वालों ने किसान फीडर से बिजली ले रखी है उन्होंने कनेक्शन नहींले रकखे है सेक्सी बीच एक लड़का वीडियो बनाने लगा तब मैंने कहा कि मुझे गलत जानकारी है मत दीजिए इस का आसर अधिकारियों पर गलत जाता है द्य उससमय जो युवकवीडियो बना रहा था इस समय मेरे गनरने उस यू अक्षर कहा कि जब अधिकारी से विधायक जी बात कर रहे हैं तो तुम वीडियो क्यों बना रहे हो किसी को मारा पीटा नहीं गया है और इसके बाद गांव वालों की ओर से जो सपा को शिकायत दी गई उसकी सपा के द्वारा जांच कराई जा रही है द्यइसके 5 जुलाई को जो ग्राम चुरखी मे जुगनू महापंचायत बुलाई गईद्य भाजपा नेताओं की मौजूदगी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संघ प्रमुख मोहन भागवत गृहमंत्री अमित शाह तथा जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह को जिस तरह से खुलेआम वक्ताओं ने अपशब्द कहे उसको लेकर भाजपा लखनऊ दिल्ली तक हलचल मची हुई है कालपी के विधायक विनोद चतुर्वेदी के पुत्र तथा भाजपा के युवा नेता आशीष चतुर्वेदीनेपंचायत के वीडियो गृहमंत्री पार्टी हाई कमान तक पहुंचने की बात कही है द्य विधायक श्री चतुर्वेदी ने कहा कि मैं हैरान हूं कि जिस मुद्दे को लेकर जुगनू महापंचायत बुलाई गई थी वह मुद्दा तो महापंचायत में चर्चा से गायब रहा वक्तागण जिसमें विश्वनाथ प्रताप सिंह जनता दल समाजवादी पार्टी तथा कुछ भाजपा के नेता भी थेद्य श्री चतुर्वेदी ने कहा कि वह बात से आहत है कि भाजपा नेताओं की मौजूदगी मेंउनके शीर्ष नेतृत्व, माननीय प्रधानमंत्री, माननीय संघ प्रमुख गृह मंत्री जी उत्तर प्रदेश की जल शक्ति मंत्री को आप शब्द कहे गए द्य उन्होंने कहा उनकके पुत्र आशीष चतुर्वेदी भाजपा कजो युवा नेताहै इन वीडियो को वोपार्टी हाई कमान तक भेजेगे इसकी जांच होनी चाहिए द्य उधर प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार जुगनू महापंचायत में कुछ सपा नेताओं की मौजूदगी में कुछ गैर सपा के नेता यह चेतावनी देते हुए सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव को यह कहकर भला बुरा कहते नजर आए कि जब उनकी सरकार आएगी तब 84 के लोगों का फिर उत्पीड़न होगा।

सपा के पूर्व विधायक दीप नारायण सिंह यादव और बिल्डर विजय सरावगी से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। समाजवादी पार्टी से गरौठा के पूर्व विधायक दीपनारायण सिंह यादव की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रहीं हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार तड़के झांसी में बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व गरौठा विधायक दीप नारायण सिंह यादव तथा बिल्डर विजय सरावगी से जुड़े कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। बरसात के बीच सुबह शुरू हुई इस कार्रवाई से शहर में हलचल मच गई और संबंधित स्थानों पर लोगों की भीड़ जुट गई।

जानकारी के अनुसार ईडी की टीम सबसे पहले पूर्व विधायक के साले के आवास पर पहुंची, जहां दस्तावेजों एवं अन्य महत्वपूर्ण अभिलेखों की जांच शुरू की गई। इसके बाद स्पेस मून सिटी स्थित पूर्व विधायक के आवास तथा उनके पैतृक गांव में भी तलाशी अभियान चलाया गया। वहीं ईडी की एक टीम ने बिल्डर विजय सरावगी के आवास पर भी छापेमारी कर दस्तावेजों की पड़ताल की। सूत्रों के अनुसार ईडी की अलग-अलग टीमें विभिन्न स्थानों पर वित्तीय लेन-देन, संपत्ति संबंधी दस्तावेजों और अन्य रिकॉर्ड की गहन जांच में जुटी रहीं। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। टीम के वाहनों के नंबरों के आधार पर स्थानीय स्तर पर यह कयास लगाए जा रहे हैं कि अधिकारी लखनऊ से आए हैं, तो वहीं टीम का प्रयागराज से आना भी बताया जा रहा है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार कार्रवाई के दौरान ईडी की टीम बिल्डर विजय सरावगी को अपने साथ लेकर गई। हालांकि उन्हें किस उद्देश्य से साथ ले जाया गया और आगे की कार्रवाई क्या होगी, इस संबंध में ईडी की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है। समाचार लिखे जाने तक प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई जारी थी। छापेमारी के कारणों और जांच के दायरे को लेकर भी कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। जांच पूरी होने के बाद ही मामले से जुड़े तथ्यों और संभावित कार्रवाई की स्पष्ट तस्वीर सामने आने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री के आगमन की पूर्व तैयारी में कटे हरे-भरे पेड़; पर्यावरण प्रेमियों और छात्रों में भारी आक्रोश

(यंग भारत न्यूज)

बांदा। बांदा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगामी 9 जुलाई के प्रस्तावित कार्यक्रम की पूर्व तैयारी के नाम पर स्थानीय प्रशासन द्वारा की जा रही पेड़ कटाई पर गंभीर विवाद खड़ा हो गया है। पंडित जवाहर लाल नेहरू महाविद्यालय से कालू कुआँ मार्ग के किनारे लगे कुछ हरे-भरे पेड़ों को बिना किसी ठोस कारण के मशीनों से जड़ से काट दिया गया है वहीं शहर के कई मार्गों में पेड़ काट दिए गए है।स्थानीय नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों का आरोप है कि जिन पेड़ों को काटा गया है, वे न तो जनसभा स्थल के बीच में थे और न ही वहां कोई हेलीपैड बनाया जा रहा है। ये पेड़ सड़क और मैदान के किनारे सुरक्षित खड़े थे, जिनसे किसी भी प्रकार का आवागमन बाधित नहीं हो रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि प्रशासन के अधिकारी मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे हैं, जबकि मुख्यमंत्री जी स्वयं पर्यावरण संरक्षण और अधिक से अधिक वृक्षारोपण के कड़े निर्देश दे चुके हैं फिर ये उनके आदेशों को अनदेखा क्यों कर रहे है।बांदा के पर्यावरण प्रेमी यश त्रिवेदी ने इसे प्रकृति के साथ 'अनैतिक कृत्य' करार देते हुए कहा कि भीषण गर्मी और विश्व में सबसे उच्च तापमान झेल चुके बांदा में पेड़ों की हत्या भविष्य के लिए ऑक्सीजन संकट पैदा करेगी। पूर्व बीजेपी जिला कार्यकारणी सदस्य बाबू राम निषाद ने इसे मुख्यमंत्री की छवि धूमिल करने की साजिश बताया। वहीं, अधिवक्ता व छात्र नेता लव सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री का स्वागत वृक्षारोपण से होना चाहिए था, न कि पेड़ों की बलि देकर।'बांदा जल जंगल पहाड़ बचाओ अभियान' से जुड़े सदस्य और समाजसेवि ओम राजपूत ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई नहीं की गई, तो पर्यावरण प्रेमी और बांदा की जनता सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने को बाध्य होगी। मामले की जानकारी वन विभाग , महाविद्यालय के प्राचार्य को भी दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई न होना प्रशासन की संवेदनहीनता को दर्शाता है इसकी शिकायत संबंधित उच्च अधिकारी और वन मंत्री जी को भी दी जाएगी। इस विरोध में शिवा शुक्ला, कार्तिक आनंद, अतुल साहू, हर्ष श्रीवास्तव, पवन अवस्थी, अभिषेक शुक्ला सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और छात्र ने आक्रोष व्यक्त किया।सभी ने एक स्वर में मांग की है कि पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने वाले जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए।

भाजपा जिला पदाधिकारी बैठक में संगठन सशक्तीकरण पर जोर

(यंग भारत न्यूज)

मोंठ। भारतीय जनता पार्टी जिला झांसी की जिला पदाधिकारी बैठक कस्बा मोंठ में आयोजित हुई। बैठक के मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह रहे, जबकि क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकिशोर साहू एवं क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अशोक राजपूत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। अतिथियों का स्वागत करते हुए जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल ने कहा कि जिले के लिए यह सौभाग्य की बात है कि प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह का मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। उन्होंने बूथ से लेकर जिला स्तर तक संगठन द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों, अभियानों एवं संगठनात्मक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुए पदाधिकारियों से उन्हें पूरी सक्रियता और समर्पण के साथ सफल बनाने का आह्वान किया।मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने सभी जिला पदाधिकारी मण्डल अध्यक्षों से परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी मण्डल अध्यक्षों मण्डल प्रभारियों से संगठन के द्वारा किये जा रहे संगठनात्मक कार्यो के बारे मे विस्तार से जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन पर्व पूरा हो गया है शक्ति केंद्र संयोजक, मण्डल समिति, बूथ पालक मण्डल प्रभारी,जिला पदाधिकारी ,प्रदेश पदाधिकारी घोषित हो गये है शेष बचे जुलाई तक घोषित हो जायेंगे।अगस्त माह से बिधान सभा चुनाव की तैयारियों मे लगना है। सभी कार्यकर्ताओं को काम दिया जायेगा किसी भी कार्यकर्ता को नही छोड़ा जायेगा। हमारा संगठन मजबूत है मोदी जी की मन की बात बूथ पर बूथ समिति के साथ सुने एवं समाज के बूथ पर रह रहे प्रभावशाली लोगों को अवश्य बुलाये।झांसी जिला की दोनो बिधान सभा मे इस बार अधिक वोटों से जीत दर्ज करनी है। इसके लिए एक जुटता जरूरी है। सबसे महत्वपूर्ण कार्य बूथ पर है वोटर लिस्ट का सत्यापन का कार्य कि हमारा वोटर कहीं मतदाता सूची मे छूट तो नही गया। यदि हमारा वोटर किसी प्रकार से मतदाता सूची मे छूट गया है तो उसका नाम नोट करके उसको मतदाता सूची मे दर्ज करायें। हमे इसके लिए घर घर जाकर सत्यापन करना होगा। यही हमारा सबसे बड़ा कार्य है जो कार्यकर्ता यह काम करेगा वह आगे बढ़ेगा। आज हमे पीएम, सीएम ओर संगठन के कारण बहुत से समाज का समर्थन मिल रहा है।प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने जिला पदाधिकारी बैठक के बाद पूर्व पदाधिकारियों से भी अलग से बैठक कर परिचय प्राप्त किया। बैठक के समापन के बाद जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल ने संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर एम एल सी रमा निरंजन, गरौठा बिधायक जवाहरलाल राजपूत, जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम, पूर्व बिधायक प्रागीलाल अहिरवार, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ जगदीश सिंह चौहान, किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री रामनरेश तिवारी, अशोक गिरी, जिला महामंत्री बद्री त्रिपाठी, डा अनिल राज, जिला उपाध्यक्ष सहजेन्द्र सिंह बघेल, सतेन्द्र खरे, गुड्डी रानी पटेल, वीरेंद्र नायक, चंचल कंथरिया, जिला मंत्री अमित चौरसिया, चन्द्रजीत गुर्जर, मनीष कोरी, प्रगति आर्य, यज्ञेश यादव, हाकिम सिंह चौहान, मोनू मौर्या, यशोदा कुशवाहा, जय प्रकाश पाल, शुभम बैध, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रीति शर्मा, दीपक त्रिपाठी, पुष्पेंद्र दुबे, मनोज पटेल, रोहित सोनी, पुष्पेंद्र पाठक, आशीष खरे, वीरेंद्र प्रताप सिंह चौहान,अबधेश निरंजन, जिनेन्द्र जैन, प्रकाश अड़जरिया, ब्लॉक प्रमुख भारती आर्य, चन्द्रभान सिंह अहिरवार, महेंद्र पाठक, अनुज मिश्रा, अरूण सिंह, आयूष श्री वास,अजय राय, केशवेन्द्र सिंह आदि उपस्थित रहे। आभार जिला प्रभारी संत विलास शिवहरे ने व्यक्त किया।

थाना बिसंडा व एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा ट्रैक्टर-ट्राली चोरी करने वाले 02 अंतर्जनपदीय अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

अभियुक्तों के कब्जे से चोरी के ट्रैक्टर-ट्राली, अवैध तमंचा, जिन्दा कारतूस आदि सहित नगद रुपए बरामद

(यंग भारत न्यूज)

बांदा। विवरण- पुलिस अधीक्षक बांदा श्री पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा चोरी, वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना बिसंडा व एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा ट्रैक्टर-ट्राली चोरी का खुलासा करते हुए 02 अंतर्जनपदीय अभियुक्तों को चोरी के ट्रैक्टर-ट्राली व अवैध तमंचा के साथ गिरफ्तार किया गया ।गौरतलब हो कि दिनांक 23.06.2026 को कस्बा बिसंडा से एक ट्रैक्टर व ट्राली व 03.07.2026 को बिसंडा पारा से एक ट्राली चोरी की घटना की सूचना थाना बिसंडा पर प्राप्त हुई थी जिसके सम्बन्ध में थाना बिसंडा पर अभियोग पंजीकृत किया गया था तथा अभियुक्तों की पहचान व गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे थे ।इसी क्रम में दिनांक 04/05.07.2026 की रात्रि को गश्त एवं चेकिंग के दौरान थाना बिसंडा व एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे पुल के नीचे से 02 अंतर्जनपदीय अभियुक्तों को चोरी के ट्रैक्टर व ट्राली के साथ गिरफ्तार कर लिया गया जबकि एक अन्य अभियुक्त अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गया ।जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं ।गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान जयचन्द्र पुत्र प्रेमचन्द्र निवासी थाना डलमऊ, जनपद रायबरेली तथा मोहम्मद नफीस पुत्र मोहम्मद शफीक निवासी थाना गदागंज, जनपद रायबरेली के रूप में हुई है ।कड़ाई से पूछताछ करने पर अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि उन्होंने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर दिनांक 22.06.2026 की रात्रि में कस्बा बिसण्डा स्थित एक ट्रेडर्स के गैराज से एक ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी की थी ।साथ ही यह भी बताया कि उन्होंने 27/28.06.2026 की रात्रि में थाना बिसण्डा क्षेत्र के ग्राम पारा बिहारी से एक ट्रॉली चोरी कर उसे बेच दिया था ।

विधायक सेवार्थ रथ के तत्वावधान में अखंड रामायण पाठ ओर विशाल भंडारे का आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। कई वर्षों से सदर विधायक पंडित रवि शर्मा के निर्देशन में समाज सेवी दिलीप पांडे द्वारा विधायक सेवार्थ रथ चलाया जा रहा है। जिसके माध्यम से गरीब असहाय लोगों तक उन्हें खान पान सामग्री ओर जरूरत की वस्तुएं भेंट की जाती है। सेवार्थ रथ के तत्वावधान में आज से प्राचीन खाती बाबा मंदिर पर अखंड रामायण पाठ का आयोजन शुरू हो गया है, दिलीप पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि नौ जुलाई को अखंड रामायण पाठ समापन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने के लिए सभी से अपील की है।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718